Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 268 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 20 जुलाई 2024 | www.samaydarshan.in

सार समाचार

आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ीं; यूपीएससी ने परीक्षा में धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज कराई एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। यूपीएससी ने पूजा खेडकर को उनकी उम्मीदवारी रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस (एससीएन) भी जारी किया है। पूजा से भविष्य की परीक्षाओं या चयनों से वंचित करने के लिए भी जवाब मांगा गया है। यूपीएससी के मुताबिक, धांधली के आरोपों के बाद पूजा के खिलाफ कई कार्रवाइयां शुरू की गई हैं। इसमें पुलिस के पास एफआईआर दर्ज कर आपराधिक मुकदमा चलाना शामिल है। सिविल सेवा परीक्षा-2022 के नियमों के अनुसार, उनकी उम्मीदवारी रद्द करने, भविष्य की परीक्षाओं या चयनों से दूर करने करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यूपीएससी ने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के दुर्व्यवहार की विस्तृत और गहन जांच की गई। इस जांच से यह पता चला है कि उन्होंने अपना नाम, पिता और माता का नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदला।

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप हुई

भारत और अमेरिका में 147 उड़ानें रद्द, एक बग और 50 साल पीछे चली गई दुनिया

क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर

नई दिल्ली (एजेंसी)। माईक्रोसाफ्ट की क्लाउड सर्विस के ठप होने के कारण भारत और अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों की एयरलाइंस प्रभावित हुई हैं। कई एयरलाइंस कंपनियों की फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इस आउटेज के कारण फ्लाइट बुकिंग, कैंसिलेशन से लेकर चेक-इन तक की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक Frontier, Allegiant और SunCountry जैसी बड़ी एयरलाइंस कंपनियों की सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण ठप हो गई हैं। फ्रंटियर ने कहा कि वह सामान्य परिचालन फिर से शुरू करने की प्रक्रिया में है। भारत में इंडिगो, आकासा और स्पाइसजेट ने भी सेवा ठप होने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एयरपोर्ट पर मैनुअल बोर्डिंग पास से एंट्री हो रही है।

इस आउटेज पर दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा, वैश्विक आईटी आउटेज के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुईं। हम अपने यात्रियों को असुविधा कम करने के लिए अपने पार्टनर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे एयरलाइन के संपर्क में रहें।

फ्रंटियर ने पहले कहा था कि एक माइक्रोसॉफ्ट तकनीकी खराबी ने उसके परिचालन को अस्थायी रूप से प्रभावित किया है। सनकंट्री ने कहा कि थर्ड पार्टी वेंडर ने उसकी बुकिंग और चेक-इन सुविधाओं को प्रभावित किया। एलीगेंट ने सीएनएन को दिए एक बयान में कहा, **Microsoft Azure** में दिक्कत के कारण एलीगेंट वेबसाइट भी डाउन हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस आउटेज के कारण Frontier ने 147 उड़ानें रद्द की है और 212 का समय बदला गया है। इसके अलावा Allegiant की 45 फीसदी उड़ानें देरी से हुई हैं। Sun Country की 23त्न उड़ानों को भी देर से शुरू किया गया है। कम्युनिकेशन में दिक्कत के कारण अमेरिकन एयरलाइंस ने भी अपनी सभी उड़ानें रोक दीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि यह आउटेज भारतीय समयानुसार 19 जुलाई को सुबह करीब करीब 3.30 बजे शुरू हुई। कंपनी ने कहा है कि आईटी की टीम इसे ठीक करने के लिए लगातार काम कर रही है। क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण ही माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट 365 सर्विसेज में परेशानी आई है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हमें समस्या की जानकारी है और हमने कई टीमों को इसे सुलझाने में लगाया है। हमने इसके कारण का पता लगा लिया है।'' इससे वहीं यूजर प्रभावित हुए हैं जो माइक्रोसॉफ्ट एज्योर का इस्तेमाल करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है। ये एप्लिकेशन और सर्विसेज को बनाने, डिप्लॉय और मैनेज करने का काम करता है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट 365 प्रोडक्टिविटी सॉफ्टवेयर है, जिसमें वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और वन नोट जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन शामिल हैं। 'ब्लू स्क्रीन ऑफ़ डेथ' की रिपोर्ट दुनिया भर में की गई। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ (क्चस्ह्रष्ठ) एक क्रिटिकल एरर स्क्रीन है जो विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। जब यह एरर आता है, तो कंप्यूटर ऑटोमेटिकली रिस्टार्ट हो जाता है।

नीट-एसएस आयोजित न करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल; केंद्र से मांगा गया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा 2024 में नीट-सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा आयोजित न करने के फैसले को चुनौती दी गई है।

नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट-सुपर स्पेशियलिटी (ह्वश्वश्व-स्स) में एमडी, एमएस और डीएनबी जैसी पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री या सुपर-स्पेशियलिटी कोर्स में प्रवेश के लिए समकक्ष योग्यता रखने वाले डॉक्टर बैठ सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ को 13 उम्मीदवारों की ओर से पेश हुए एक वकील ने बताया कि एनएमसी ने इस साल परीक्षा आयोजित न करने का फैसला किया है।

समाचार रिपोर्टों के अनुसार, नीट एसएस जनवरी 2025 में आयोजित होने की संभावना है।

केंद्र, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी और एनएमसी को नोटिस जारी करते हुए, पीठ ने याचिकाकर्ता राहुल बलवान और 12 अन्य को एनबीई (राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड) को याचिका में पक्ष बनाने की स्वतंत्रता भी दी और इसे 26 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

पहले के एक फैसले का हवाला देते हुए, याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ह्वश्वश्व-स्स हर साल आयोजित किया जाना है और इसके अलावा, सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शीर्ष अदालत द्वारा समय सारिणी पहले ही तय की जा चुकी है। वकील ने कहा कि इस साल परीक्षा स्थगित करने का फैसला जाहिर तौर पर इस तथ्य से उपजा है कि कोविड 19 महामारी के कारण पहले मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश में देरी हुई थी।

छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किए

साय सरकार का किसानों के हित में एक और बड़ा फैसला

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक सम्पन्न

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।

मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रथम अनुपूरक अनुमान वर्ष 2024-2025 का विधानसभा में उपस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य प्राप्त हो, इसके लिए छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन होने से अन्य प्रदेश के मंडी बोर्ड अथवा समिति के एकल पंजीयन अथवा अनुज्ञप्तिधारी, व्यापारी एवं प्रसंस्करणकर्ता भारत सरकार द्वारा संचालित ई-नाम पोर्टल (राष्ट्रीय कृषि बाजार) के माध्यम से अधिसूचित कृषि उपज की खरीदी-बिक्री बिना पंजीयन के कर सकेंगे, इससे छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों और विक्रेताओं को अधिकतम मूल्य मिल पाएगा। संशोधन प्रस्ताव के अनुसार मंडी फीस के स्थान पर अब ''मंडी फीस तथा कृषक कल्याण शुल्क'' शब्द जोड़ा जाना प्रस्तावित है। संशोधन प्रस्ताव के अनुसार कृषक कल्याणकारी गतिविधियों के लिए मंडी बोर्ड अपनी सकल वार्षिक आय की 10 प्रतिशत राशि छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण निधि में जमा करेगा। इस निधि का उपयोग नियमों में शामिल प्रयोजनों के लिए किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन और भूमि स्वामी को हक प्रदान करने के संबंध में मंत्रिपरिषद ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए इस संबंध में पूर्व में जारी निर्देश और परिपत्रों को निरस्त कर दिया है। जिसमें राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन, शासकीय भूमि के आबंटन एवं वार्षिक भू-भाटक के निर्धारण एवं वसूली प्रक्रिया संबंधी 11 सितम्बर 2019 को जारी परिपत्र, नगरीय क्षेत्रों में प्रदत्त स्थायी पट्टों का भूमिस्वामी हक प्रदान किए जाने संबंधी 26 अक्टूबर 2019 को जारी परिपत्र, नजूल के स्थायी पट्टों की भूमि को भूमिस्वामी हक में परिवर्तित किए जाने के लिए 20 मई 2020 को जारी परिपत्र तथा नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन और भूमि स्वामी हक प्रदान करने के संबंध में 24 फरवरी 2024 को जारी परिपत्र शामिल हैं।

मंत्रिपरिषद की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इन प्रपत्रों के अंतर्गत जारी आदेशों के तहत आबंटित भूमि की जानकारी राजस्व विभाग की वेबसाईट में प्रदर्शित की जाएगी और इस विषय में कोई भी आपत्ति और शिकायत प्राप्त होने पर संभागीय आयुक्त द्वारा इसकी सुनवाई की जाएगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जीएसटी कॉउंसिल द्वारा इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर के संबंध में आगत कर प्रत्यय लिये जाने के प्रावधान को युक्तियुक्त बनाने एवं पान मसाला, गुटखा इत्यादि के विनिर्माण में लगने वाले मशीनों के रजिस्ट्रीकरण के लिए अधिनियम में कुछ संशोधन का निर्णय लिया गया था।

यूपी में बाढ़, काशी में गंगा के 30 घाट डूबे :गोरखपुर में एनडीआरएफ तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगभग 1 हफ्ते से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर गोरखपुर में है। यहां राप्ती नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। अब तक 55 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम 100 नावें लगाकर राहत-बचाव के काम में जुटी है।

गंगा नदी भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा में 30 घाट डूब चुके हैं। दशाश्वमेध घाट के गंगा आरती स्थल तक पानी पहुंच गया है। अस्सी घाट की पुराने आरती स्थल की जगह बदल दी गई है। आज आरती 4 फीट पीछे होगी। उधर, बिहार के नेपाल से सटे इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा मुंबई में गुरुवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 घंटे में (सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक) 101 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पेड़ और दीवार गिरने जैसी कई घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कोई हताहत नहीं हुई। गुजरात के पोरबंदर में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को फायर ब्रिगेड ने बचाया। शिमला आइस फैक्ट्री और रोकाडिया हनुमान मंदिर के पास के इलाके से एक विकलांग दंपती और 13 अन्य लोगों को पानी में डूबे हुए घरों से निकाला गया।

उधर कर्नाटक में शुक्रवार सुबह भारी बारिश हुई। शिगांव के मदापुरा गांव में एक घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 13 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री शर्मा ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर को दिया कांधा

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने चौथी बटालियन माना पहुंचकर गत दिवस बीजापुर जिले के तर्रेम में माओवादियों द्वारा किये आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवान भरत लाल साहू के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर को कंधा देकर ससम्मान निवास रायपुर के सड्डू के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर कहा कि बीजापुर जिले के तर्रेम में हुए आईईडी ब्लास्ट में हमारे वीर जवानो ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमारी सरकार बनते ही हमने माओवादियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है और हम निर्णायक लड़ाई लड़ रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान शहीद जवान श्री भरत लाल साहू के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि एसटीएफ के शहीद आरक्षक भरत लाल साहू रायपुर जिले के रहने वाले थे। पिछले 17 जुलाई को बीजापुर जिले के तर्रेम में एसटीएफ का बल नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों की कमी दूर करने पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल मिले कलेक्टर से

राजनांदगांव (समय दर्शन)। डोंगरगढ़ पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल के साथ जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू, सलोनी सरपंच रतन यादव, खैरा (ब) सरपंच नेमदास साहू, मुरमुंदा सरपंच कल्पना साहू ने शिक्षकों की कमी दूर करने कलेक्टर से मिलकर निवेदन किये। पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि क्षेत्र के कई स्कूल में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों के शिक्षा में प्रभाव पड़ रहा है। कलेक्टर ने जल्द व्यवस्था करने का आश्वासन दिए है।

भिलाई निगम क्षेत्र में सुपेला विद्या रत्न भसीन सेतु सेल्फी जोन नहीं

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत घड़ी चौंक सुपेला स्थित विद्यारतन भसीन सेतू अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। पहले नागरिको को पटरी के उस पार जाने के लिए लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ता था। ट्रेन की क्रासिंग होते ही जाम लग जाता था। अंडर ब्रिज के निर्माण से आम नागरिको को काफी सुविधा मिल रही है। अंडर ब्रिज का निर्माण नागरिको के आने-जाने से लेकर शहर की सुन्दरता को एक नया स्वरूप दिया गया है। आम नागरिको को होने वाली असुविधा को देखते हुए अंडर ब्रिज में इस पार से उस पार जाने के लिए दो अलग-अलग रास्ते बनाये गये है। एक आने का एक जाने का एवं डिवाईडर भी लगा हुआ है। रास्ते के साथ ही दिवारो को कलर पेंटिंग से संवारा गया है। जो अपने आप में बहुत ही खुबसुरत दिखता है। रात्रि में भी आने जाने वालो के लिए लाईटिंग की सुविधा दिया गया है जिससे वाहन चालको को आने-जाने में किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो। अंडर ब्रिज के बीच में मनमोहक कलाकारी की गई है, जो आकर्षक का केन्द्र बना हुआ है। अकसर देखने में आता है कि अपनी जान जोखिम में डाल कर वहां खडे होकर लोग सेल्फी लेते है, और रील बनाते है। जो दुर्घटना का कारण बन जाता है, वह सेल्फी लेने की जगह नहीं है। सावधान रहें। सेल्फी लेते समय पकड़े जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। सांसद विजय बघेल ने सभी नागरिको से अपील की है कि दो पहिया गाड़ी चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें। कार चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाये, जिससे आपका जीवन सुरक्षित रहें, सावधानी पूर्वक गाड़ी चलाएं। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने आने जाने वाले नागरिको से अनुरोध किया है कि कोई भी व्यक्ति अंडर ब्रिज से रॉग साईड गाड़ी मत चलाए, कुछ लोग थोड़े से जल्दी में रॉग साईड चलते है और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। सड़क के नियमो का पालन करें, जिला, निगम, पुलिस प्रशासन आपके साथ है सभी लोगों से सहयोग की अपेक्षा है।

सोनी इंडिया ने शानदार कलर और इमर्सिव साउंड के साथ पेश की ब्राविया 3 टेलीविजन सीरीज

नई दिल्ली: सोनी इंडिया ने अपने बहुप्रतीक्षित ब्राविया 3 सीरीज टेलीविजन के लॉन्च की घोषणा की है, जो होम एंटरटेनमेंट टेक्नोलॉजी के लिहाज से बड़ी छलांग है। लोगों के देखने के अनुभव को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार इस सीरीज में बेहतरीन डिजाइन के साथ अत्याधुनिक फीचर का मेल है जो बेजोड़ पिक्चर क्वालिटी, इमर्सिव साउंड और इंट्यूइटिव यूज़र इंटरफेस प्रदान करता है। नई ब्रेविया 3 टीवी सीरीज 108 सेमी (43), 126 सेमी (50), 139 सेमी (55), 164 सेमी (65), 189 सेमी (75), और 215 सेमी (85) में उपलब्ध है। सोनी की ब्राविया 3 सीरीज में 4के एचडीआर प्रोसेसर एक्स1 उन्नत एल्गोरिदम के जरिये पिक्चर क्वालिटी को बढ़ाता है, 4के एक्स-रियलिटी प्रो के साथ नॉन-4के कंटेंट को लगभग 4के रेज़ॉल्यूशन तक बढ़ाकर बेहतरीन स्पष्टता सुनिश्चित करता है। प्रोसेसर ट्राईल्यूमीनस प्रो के साथ वाइब्रेंट कलर प्रदान करता है, जिससे प्राकृतिक रंगों का एक व्यापक पैलेट बनता है।

आर.टी.ई. के तहत चयनित स्कूलों के निरीक्षण में निकले अधिकारी

कलेक्टर द्वारा 82 मेंटॉर अधिकारी नियुक्त

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 के अंतर्गत गैर अनुदान प्राप्त और शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों एवं पालकों को सतत् प्रेरित/सहायता प्रदान करने तथा पालक, स्कूल प्रबंधन एवं प्रशासन के मध्य समन्वय कर विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा निरंतर रखने में आने-वाले अवरोधों को दूर किये जाने हेतु 82 मेंटॉर अधिकारी नियुक्त कर विद्यालय आबंटित कर दिये गये हैं। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशों के अनुसार मेंटॉर अधिकारी आज से स्कूल निरीक्षण प्रारंभ कर दिये हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार मेंटॉर उनको आबंटित विद्यालयों में आर.टी.ई. के अंतर्गत प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित कराएंगे। मेंटॉर आर.टी.ई. अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थियों उनके पालकों से संपर्क में रहेंगे एवं उनको विद्यालय में कोई समस्या आती है तो उसे हल करने की दिशा में कार्य करेंगे। यदि विद्यार्थी विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं होता है तो पालक एवं विद्यार्थी को प्रेरित कर नियमित उपस्थिति की दिशा में कार्य करेंगे। मेंटॉर पालकों एवं विद्यालय से समन्वय स्थापित कर यह प्रयास करेगा कि विद्यार्थी ड्रॉप आउट ना हो। मेंटॉर यह भी सुनिश्चित कराएंगे कि शाला के सामान्य विद्यार्थी एवं आर.टी.ई. अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थियों के मध्य शाला प्रबंधन द्वारा किसी भी प्रकार की असमानता का व्यवहार ना किया जा रहा हो। मेंटॉर द्वारा यह भी मॉनिटरिंग की जाएगी कि अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त होने वाली समस्त सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध हो तथा विद्यालय द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का किसी भी रूप में उल्लंघन न किया जाए, यदि विद्यालय द्वारा प्रावधानों का उल्लंघन किया जाता है तो मेंटॉर इसकी सूचना कलेक्टर को देंगे। अधिकारियों द्वारा आज विकास पब्लिक स्कूल खेदामारा, शीतला पब्लिक स्कूल जामुल, न्यू सागर विद्यालय सुपेला भिलाई, मॉडल पब्लिक स्कूल कचान्दुर, एसजीएम पब्लिक स्कूल ननकट्ठी, विद्या शिशु मंदिर रवेली, डीएवी स्कूल हुड़को, पाइनेंसल पब्लिक स्कूल, ओम सांई विद्या भवन स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर कुटेलाभांठा, ज्ञानदीप गारमेंट स्कूल, अलीना पब्लिक स्कूल, ज्ञान ज्योति विद्यालय उरला, सरस्वती ज्ञान मंदिर, नालंदा इंग्लिश मीडियम स्कूल कुरूद, सरस्वती बाल मंदिर दुर्ग, प्रियदर्शिनी स्कूल एवं शारदा स्कूल भिलाई का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने आर.टी.ई. के तहत स्कूलों में प्रवेशित बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं और उपस्थिति एवं विद्या अध्ययन आदि के संबंध में स्कूल प्रबंधन से रू-ब-रू चर्चा कर जानकारियां ली गई।

जिले में 12 से 18 जुलाई तक म.बा.वि.वि. द्वारा कुल 107846 से अधिक पौधों का किया गया रोपण

दुर्ग (समय दर्शन)। ''एक पेड़ मां के नाम'' कार्यक्रम के तहत् महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 12 जुलाई 2024 से 18 जुलाई 2024 तक वृक्षारोपण का सघन अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के द्वारा दुर्ग ग्रामीण परियोजना के ग्राम अंजोरा से किया गया, जिसमें जल संरक्षण हेतु शपथ भी दिलायी गयी। उनके नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के तहत बेटियों के नाम पर वृक्षारोपण ''सेल्फी विथ लाडो'' व ''सेल्फी विथ मां'' का आयोजन भी किया गया।

अभियान अंतर्गत दुर्ग जिले के प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका के साथ ही समुदाय की महिलाओं एवं बच्चों में पर्यावरण के प्रति जन-जागरुकता लाने के लिए ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' अभियान एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जा रहा है।

इस अभियान में ग्राम की महिला समूहों, महिला मण्डल, ग्राम पंचायत स्तर की महतारी वंदन योजना से लाभांवित सभी महिलाओं को एकत्र कर पानी के महत्ता जैसे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय में जानकारी दी गई और फलदार पौधे जैसे - आम, अमरुद, आंवला, मुनगा, पपीता, केला, कटहल, अनार इत्यादि पौधों का वृक्षारोपण आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया गया।

वृक्षारोपण अभियान के तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषक/फलदार वृक्षों के साथ ही कुपोषित व गर्भवती धात्री माताओं के घरों में भी वृक्षारोपण का अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके साथ ही महतारी वंदन के लाभार्थी महिलाओं से भी एक पेड़ माँ के नाम लगाने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि 12 से 18 जुलाई तक माननीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिला प्रशासन की टीम एवं विभागीय अमले के द्वारा दुर्ग जिले के 1506 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 7327 पेड़, कुपोषित बच्चों के घरों के में 6485 पेड़, गर्भवती माताओं के घरों में 8005 पेड़, शिशुवती माताओं के घरों में 6633 पेड़, महतारी वंदन योजना से लाभांवित महिलाओं के घरों में 69045 पेड़, छत्तीसगढ़ महिला कोष समूहों के महिलाओं के घरों में 4821 पेड़ एवं किशोरी बालिकाओं के घरों में 5530 पेड़ का रोपण किया गया। इस प्रकार जिले में 12 से 18 जुलाई तक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुल 107846 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इस दौरान सुपोषण की बात महतारी के साथ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं का प्रचार प्रसार भी किया गया व सभी से ''एक पेड़ माँ के नाम'' लगाने की अपील भी गई।

भाजपा के ड्रीम प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री आवास में लबालब कमीशन खोरी

बिलासपुर (समय दर्शन)। राज्य विधानसभा का चुनाव भाजपा ने 16 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास देने के वादे पर जीती और सरकार बनने के बाद 16 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास देने की घोषणा भी कर दी गई लेकिन असली खेल अब शुरू हुआ है । भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाली इस योजना में सुनियोजित तरीके से वसूली की जाने लगी है । हम सिर्फनगर निगम बिलासपुर का ही उदाहरण दे रहे है यहाँ हितग्राहियों से कमीशन लेने पूरा रैकेट काम कर रहा है । नगरीय निकाय मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव के जिला मुख्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से 50 फीसदी तक राशि वसूल करने आमादा है । ये वसूली करने वाला रैकेट जांजगीर से एयरपोर्ट और विकास भवन तक सक्रिय है और इसमें कुछ भाजपा पार्षद भी सक्रिय है जो हितग्राहियों को कमीशन की राशि दलाल को देने दबाव डालते है ।हमारे पास एक हितग्राही द्वारा एक दलाल को ऑन लाइन 25 हजार रुपए देने का स्क्रीन शॉट भी है । उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर भूपेश सरकार पर पानी पी पी कर कोसते हुए आवास की राशि रोकने का आरोप लगाते रहे और चुनाव जीतने के बाद आवास योजना में ही भ्रष्टाचार की शुरुआत की गई ।निगम में कार्यरत एक महिला कर्मचारी और उसके पति की भूमिका भी संदिग्ध है । कुछ वर्षों पहले सरकार ने विश्व बैंक की मदद से एक योजना शुरू की थी जिसका नाम था नवा अंजोर लेकिन इसमें इतना भ्रष्ट्राचार होने लगा कि इसे नवा अंजोर ,आधा तोर आधा मोर के नाम से चर्चित हो गया था । लगता है प्रधानमंत्री आवास योजना भी उसी तर्ज पर आधा तोर आधा मोर की भेंट न चढ़ जाए ।टाउन हाल और विकास भवन में आवास योजना का रैकेट सक्रिय है और निगम के आला अफ्सरों को इसकी जानकारी न हो ऐसा कैसे हो सकता है । उल्लेखनीय है कि अटल आवास योजना के तहत गरीबों को नगर निगम का फर्जी रसीद काट कर उनसे करोड़ों रुपए वसूले गए थे बाद में सरकंडा क्षेत्र के एक भाजपा पार्षद ने आत्महत्या कर ली थी।

मिशन शक्ति अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह का किया गया अयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं एवं सुरक्षा बचाव हेतु अम्बेला योजना मिशन शक्ति संचालित है। जिसका उद्देश्य महिलाओं के शोषण और भेदभाव को खत्म करना एवं महिलाओं के सशक्तिकरण करना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं एवं सुरक्षा बचाव हेतु अम्बेला योजना मिशन शक्ति संचालित है। जिसका उद्देश्य महिलाओं के शोषण और भेदभाव को खत्म करना एवं महिलाओं के सशक्तिकरण करना है। उक्त के परिप्रेक्ष्य में मिशन शक्ति 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान 15 जुलाई से 19 जुलाई 2024 के मिशन शक्ति योजना नामांकन सप्ताह थीम अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोखरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। जिसमें स्कूल के छात्राओं को महिला सशक्तिकरण अंतर्गत मिशन शक्ति, सखी वन स्टॉप सेन्टर, 181 महिला हेल्प लाईन, सखी सदन, प्रधानमंत्री मातृवंदन योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। उक्त कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य श्रीमती ई. खाखा, शिक्षकगण तथा संरक्षण अधिकारी, नवा बिहान, महिला एवं बाल विकास श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर, केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेन्टर जांजगीर सुश्री एच.निशा खान एवं स्कूल के छात्राएं उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी नरेगा से मुर्गीपालन शेड का हुआ निर्माण तो सोनाली मुर्गी पालन से श्याम बाई हुई खुशहाल

मुर्गीपालन व्यवसाय को बढ़ाने में परिवार बटा रहा श्यामबाई का हाथ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मुर्गी पालन से श्यामबाई प्रति माह मुनाफा कमा रही हैं, और वह सोनाली मुर्गी पालन से घर बैठे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, अपितु अन्य लोगों को भी अपने कार्य से प्रेरित कर रही हैं। उनके इस कार्य में उनका पूरा परिवार हाथ बटाता है। इससे उन का पूरा परिवार उद्यमी के रूप में आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़ रहा है और उनके इस आत्मनिर्भरता के पीछे खड़ा हुआ है महात्मा गांधी नरेगा, जिससे उनके घर में मुर्गीपालन शेड बनाकर दिया है।

जिला जांजगीर-चांपा से 33 किलोमीटर दूर जनपद पंचायत से 4 किलोमीटर दूर है है ग्राम पंचायत मेऊ। जहां पर रहती है श्यामबाई टंडन। जो अपनी जमीन पर खेती करके अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन कर रही है। अपने विगत दिनों के बारे बात करते हुए श्यामबाई बताती है कि 2004 में उनके पति श्री भारत टंडन की मृत्यु हो जाने के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गई। उनके पति के रहते ही उन्होंने दोनों लड़कियों की जिम्मेदारी शादी करके पूरी कर दी थी, लेकिन उनके ऊपर अपनी स्वयं की जिम्मेदारी जरूर थी, ऐसे में उन्होंने हौंसला नहीं छोड़ा और मजबूती के साथ ही वह अपने पैरों पर खड़ी हुई। उनके पास महज 92 डिसमिल ही जमीन है जिस पर वर्षा आधारित खेती होने से पर्याप्त मात्रा में उपज नहीं होने के कारण पारिवारिक जरुरतों को पूरा करने में बडी दिक्कत आती थी, और मैं खुद मजदूरी करते हुए पालन पोषण कर रही थी। उनकी तकलीफ को देखते हुए उनकी एक बेटी उनके पास रहने लगी और उनकी जिम्मेदारी उठाई। श्यामबाई जुझारू महिला थी इसलिए उन्होंने अपने परिवार के लिए कुछ नया करने का सोचा। इसके लिए परिवार के साथ उन्होंने मुर्गीपालन का कार्य शुरू किया लेकिन कच्चा घर होने के कारण मुर्गियां मर जाती थी, या फिर उन्हें बिल्लियां खा जाती थी, इस समस्या से जूझ रहीं श्यामबाई के परिवार को ऐसे में एक दिन पता चला कि महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से मुर्गीपालन के लिए शेड बनाकर दिया जाता है, फिर उन्होंने ग्राम रोजगार सहायक के माध्यम से आवेदन तैयार कर ग्राम सभा में अपने प्रस्ताव को दिया। ग्राम सभा से प्रस्ताव की मंजूरी मिलते ही तकनीकी सहायक श्री राकेश लहरे ने तकनीकी प्रस्ताव तैयार करते हुए जनपद से जिला पंचायत भेजा। जिला पंचायत से प्रशासकीय स्वीकृति 92 हजार रूपए की स्वीकृति मिलने के उपरांत बिना देर किये ही काम शुरू किया गया। जैसे-जैसे मुर्गीपालन शेड बनता गया उनकी उम्मीद और हौंसला बढ़ता गया। जिस दिन उनका शेड तैयार हुआ उन्होंने सोनाली मुर्गियों को उस शेड में सुव्यवस्थित तरीके से रखना शुरू किया। श्यामबाई के नाती रोशन भारद्वाज एवं नातिन नीतू बताती हैं नानी ने बहुत संघर्ष किया है अपने जीवन में उम्र के इस पडाव पर भी वह बेहद कर्मठ है। हम सब परिवार मिलकर उनके साथ मुर्गीपालन का कार्य करते हैं, अप्रैल में चूजे लाए थे, जिन्हें अच्छी खुराक दी धीरे-धीरे वह मुर्गी बढ़ी हो गई, जिसे बाजार में बेचकर परिवार को प्रतिमाह 7 से 8 हजार रूपए की आमदनी होने लगी। रोशन बताते हैं कि खेती-किसानी के साथ ही मुर्गीपालन से होने वाली आय से वह अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं और गांव में ही रहते हुए उन्हें रोजगार भी मिला है। महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से मुर्गीपालन शेड ने उनके परिवार को बहुत बल मिला है, जहां पहले मुर्गियां मर जाती थी वहीं अब उन्हें बेहतर शेड मिल गया है, जिसमें अब किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हो रही है।

सार समाचार

कपड़ा मार्केट से एक्टिवा पार

रायपुर(समय दर्शन)। गेट नंबर 3 कपड़ा मार्केट पंडरी के पास खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनिल कुममार नारंग 51 वर्ष नगरी सिहावा धमतरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एम 2326 को पंडरी कपड़ा मार्केट के गेट नंबर 3 के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

सूने मकान से हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर(समय दर्शन)। विप्रनगर रायपुरा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष बघेल 42 वर्ष विप्रनगर रायपुरा का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर को अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

चाकू लहराते एक युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। तेलीबांधा पुलिस ने चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि गली नंबर 7 तेलीबांधा में एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी लक्की मसीह 22 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

देह व्यापार का भंडाफोड़

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के मुजगहन पुलिस ने देह व्यापार संचालित करते एक महिला व चार युवकों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार ममुजगहन थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र में चल रहे जिस्मफरोसी का धंधा पर कार्यवाही करते हुए संचालिका एक महिला एवं अन्य आरोपी महेश व्यास 27 वर्ष निवासी गोकुल चंद्रमा मंदिर के पास बुढ़ापारा, तेजेन्दर सिंह 21 वर्ष निवासी शीतला मंदिर में पीछे आमापारा, शिवेन्द्र निषाद 21 वर्ष व डीसी कुमार देवदास 24 वर्ष निवासी ग्राम कन्हेरा को गिरफ्तार किया है।

शाला प्रवेश उत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए सांसद अग्रवाल

शिक्षित समाज ही एक शक्तिशाली और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है : बृजमोहन

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल गुरुवार को खोरपा स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी/अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय (सेजेस) के शाला प्रवेश उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बृजमोहन अग्रवाल ने मेधावी विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही शाला में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों को गणवेश और पाठ्य पुस्तक वितरित की। कक्षा 9 की छात्राओं को साइकिल भी प्रदान की गई। समारोह को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि समाज में शिक्षा का हमेशा से ही महत्व रहा है। शिक्षित समाज ही एक शक्तिशाली और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। भाजपा सरकार गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है और सरकारी स्कूलों की शिक्षा को और भी बेहतर बनाया जा रहा है। आज

राज्य के सरकारी स्कूल में निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं। सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर लैब, साइंस लैब और लाइब्रेरी की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खोरपा स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी/अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय को पीएमश्री स्कूल में शामिल किया गया है, जिससे यहां दूसरी सुविधाओं का विकास भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाली सभी वर्ग की बच्चियों को साइकिल देने का निर्णय उन्होंने शिक्षा मंत्री पद पर रहते हुए लिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि गांव का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए और सभी बच्चे स्कूल जाएं, यह सुनिश्चित करना सरपंच, शिक्षकों और स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी।

किराना दुकान से तरक्की की ओर बढ़ रही बालूद की कमला

रायपुर(समय दर्शन)। आधुनिक युग में महिलाएं आत्मनिर्भर होकर परिवार को आर्थिक मदद भी कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार से निरंतर जोड़ा जा रहा है। दन्तेवाड़ा जिले की ग्रामीण महिलाएं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) प्रयास अब सार्थक हो रहा है। कमला बैंक से ऋण लेकर किराना दुकान शुरू की और आत्मविश्वास के चलते आगे बढ़ते जा रही है। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने अनेक योजनाएं संचालित कर रहे हैं, जिनका लाभ महिलाएं उठाकर अपने घरेलू काम-काज के अलावा स्वरोजगार से जुड़ रहीं हैं। खेती किसानी और घर गृहस्थी के काम के अलावा भी उनकी एक अलग पहचान बन गई है। यह सब महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण से ही संभव है। और इसी के बदौलत ही वे बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के खर्च और परिवार की अन्य जरूरतें पूरा करने में हाथ बंटा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। इस क्रम में दन्तेवाड़ा जिला मुख्यालय से 3 किमी दूरी में बसा ग्राम पंचायत बालूद में निवासरत श्रीमती कमला ठाकुर एवं उनका परिवार अपने जीवन-यापन के लिए परंपरागत खेती से ही जुड़ा हुआ था। फिर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के जरिये उन्होंने दिव्या स्व सहायता का गठन किया। इस समूह में अधिकतम सभी 10 महिलाएं निर्धन परिवार से संबंधित थी और सभी महिलाएं गृहिणी ही थी। इन महिलाओं को सी.आर.पी. दीदीयों के द्वारा बिहान योजना के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। समूह से जुड़ने के पश्चात श्रीमती कमला ठाकुर ने घर के काम एवं खेती के साथ-साथ लघु व्यवसाय करने का विचार किया। इस प्रकार कुछ नया करने की सोच के साथ उन्होंने बिहान के माध्यम से ही ग्राम संगठन के द्वारा 1 लाख 20 हजार ऋण प्राप्त कर किराना दुकान शुरू किया, जिसमें उनके परिवार ने भी उनका साथ दिया और उनके द्वारा समय से ग्राम संगठन से लिये गये ऋण को ब्याज सहित चुकता भी कर दिया गया। इसी आत्मविश्वास के बलबूते उन्होंने अपने दुकान को विस्तार करने के उद्देश्य से पुन: बैंक से ऋण के रूप में 50 हजार रूपए की राशि लेकर अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही है। अपनी आत्मनिर्भरता की वजह से आज वे अपने परिवार की जिम्मेदारी को सुगमता से निभा रही है। श्रीमती कमला ठाकुर ने कहा कि बिहान से जुड़ने के बाद ही उनके पूरी जिंदगी में बदलाव आया है।

सुमन ने धागों से रफूकर दी गरीबी

महतारी वंदन योजना की मदद राशि से खरीदी सिलाई मशीन

रायपुर(समय दर्शन)। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं की जिदंगी संवार रही है। महिलाएं शासन द्वारा हर महीने मिलने वाले एक हजार रूपए को अपने घर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। कुछ महिलाएं इस राशि को बचाकर अपने जीवकोपार्जन की नई राह बनाने की ओर अग्रसर होने लगी है। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक 4 की निवासी सुमन ने महतारी वंदन योजना से मिली मासिक मदद से एक सेकेण्ड हैंड सिलाई मशीन खरीद ली। जिससे सिलाई कर वे अब

अपना घर खर्च चला रही है। पहले वे पड़ोसी के घर जाकर सिलाई करती थी, जिससे उनका मुनाफा नही हो पाता था। स्वयं के सिलाई मशीन खरीदने से अब उन्हें ज्यादा बचत होने लगी है। श्रीमती सुमन विश्वकर्मा कहती है कि महिला सशक्तिकरण को उत्प्रेरित करने वाली महतारी वंदन योजना के तहत हर माह एक हजार रुपए की राशि उनके खाते में पहुंच रही है। मोदी जी की गारंटी और विष्णु देव के सुशासन से ही आज मेरे बैंक खाते में प्रतिमाह एक हजार रुपए आ रहे, मुझ जैसी महिलाओं के लिए वरदान है। प्रदेश में महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत राज्य की विवाहित, विधवा परित्यक्ता और तलाकशुदा जिनकी उम्र 21 वर्ष से अधिक हो ऐसी महिलाओ को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

राजस्व मंत्री वर्मा को भारत स्कॉउट एवं गाइड के मुख्य आयुक्त ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर(समय दर्शन)। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास कार्यालय में आज भारत स्कॉउट एवं गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव ने सौजन्य भेंट की। डॉ. यादव ने भारत सरकार स्काउट एवं गाइड्स के छत्तीसगढ़ में आयोजित गतिविधियों से अवगत कराते हुए स्काउट गाइड्स झीपन में आबंटित भू-खण्ड के विकास के लिए मंत्री श्री वर्मा को ज्ञापन सौंपा। डॉ. यादव ने मंत्री श्री वर्मा को अवगत कराया कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के निर्माणाधीन राज्य प्रशिक्षण केन्द्र ग्राम झीपन, तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा स्थित भूमि खसरा नं. 11, रकबा 13.40 हेक्टयर में से 5 हेक्टयर भूमि को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य

प्रशिक्षण केन्द्र हेतु ग्राम पंचायत के सहयोग से शासन द्वारा हस्तांतरित किया गया है। इस राज्य प्रशिक्षण केन्द्र में बाऊन्ड्रीवाल निर्माण करने का ज्ञापन सौंपते हुए डॉ. यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा विविध प्रशिक्षण एवं अन्य गतिविधियों का संचालन जैसे आपदा प्रबंधन शिविर, एडवेंचर कैंप इत्यादि का आयोजन किया जाता है जिसके लिए मैदान में समतलीकरण किया जाना अतिआवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने आवश्यक एडवेंचर बेस का निर्माण और राज्य प्रशिक्षण केन्द्र झीपन का सौंदर्यीकरण करने का ज्ञापन सौंपा।

कलेक्टर जनदर्शन बना समाधान केंद्र

रायपुर(समय दर्शन)। सेवानिवृत्त कर्मचारी कपूरचंद धनगर की खुशियां तब लौट आई, जब उनके मोबाइल में एक मैसेज आया। मैसेज था उनके मोबाइल पर पेंशन की राशि बैंक खाते में आने का। दरअसल, सेवानिवृत्त होने के बाद से श्री धनगर को पेंशन की राशि प्राप्त नहीं हो रही थी, पांच महीने तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया, लेकिन जब उन्होंने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से जनदर्शन में अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए सहायता मांगी तो कलेक्टर ने तत्काल संबंधित विभाग को निर्देशित किया और एक सप्ताह के भीतर ही समस्या का निराकरण हो गया। श्री धनगर ने कलेक्टर डॉ. सिंह से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया और जिला प्रशासन की सरहाना की। उल्लेखनीय है कि टिकरापारा निवासी श्री कपूरचंद धनगर गोबरा नवापारा के तहसील कार्यालय में सहायक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत थे। 29 फरवरी 2024 को सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद से उन्हें पेंशन की राशि प्राप्त नहीं हो रही थी। कई बार विभागों के चक्कर लगाने के बाद भी उन्हें सहायता नहीं मिली। इसके बाद वे कलेक्टर डॉ. सिंह के जनदर्शन में 8 जुलाई को पहुंचे और कलेक्टर को समस्या से अवगत कराते हुए जानकारी दी। कलेक्टर ने गंभीरता से उनकी समस्याओं को लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अब वे समस्या का निराकरण होने से प्रसन्न है और जिला प्रशासन का भी धन्यवाद दिया।

नई दिल्ली में कथित नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के बाहर पोस्टर लिए छात्र।

150 चाकुबाज़ों की रायपुर पुलिस ने ली परेड

रायपुर(समय दर्शन)। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह द्वारा समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों के चाकुबाजों, सहित अपराधिक तत्वों की चेकिंग कर उन पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। जिसके तारतम्य में मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले के नेतृत्व व समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों के पर्यवेक्षण में समस्त थानों प्रभारियों द्वारा अपने - अपने थाना क्षेत्रों में निवासरत् 150 से अधिक चाकूबाजों एवं अपराधिक तत्वों को थानों में तलब कर उनकी परेड़ ली गई तथा उनको समझाईश दी गई। वे अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करें। पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है तो वे तत्काल उपस्थित होवें तथा क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करें। अभियान कार्यवाही के तहत 08 चाकूबाजों के विरूद्ध आर्म्स एक्ट तथा 40 अपराधिक तत्वों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई।

पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किये, भाजपा की सरकार में बदहाली का दौर जारी-कांग्रेस

भाजपा सरकार का फोकस केवल कमीशन खोरी में, आम जनता के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति से इनका कोई सरोकार नहीं है

रायपुर(समय दर्शन)। एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के भागीरथ प्रयासों के चलते ही छत्तीसगढ़ में 67 अंकों के साथ परफॉर्मर से फ्रंट रनर तक की छलांग लगाई है। कांग्रेस की सरकार ने 2018 से 2023 के दौरान छत्तीसगढ़ में शिक्षा और भूजल संरक्षण के

क्षेत्र में शानदार काम हुए जिसका प्रमाण रिपोर्ट में स्पष्ट प्रदर्शित हो रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने 2018 से 23 के बीच जो ग्रामीण क्षेत्रों में नरवा संवर्धन योजना की शुरुआत की थी उसी का परिणाम है कि भूमिगत जल का दोहन 44.47 से बढ़कर 47.2 एक साथ प्रतिशत हुआ। ग्रामीण आबादी के पास पीने के पानी का बेहतर स्रोत 99.6 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हुआ। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के दौरान ही छत्तीसगढ़ में शत प्रतिशत विद्युतीकृत घर के लक्ष्य को छुआ। साय सरकार आने के बाद तो नरवा संरक्षण के कार्यक्रम बंद हो गए, बिजली के दाम बढ़े और कटौती शुरू हो गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के सुशासन के चलते प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर मूल्य) वृद्धि दर प्रति व्यक्ति 5.36 से बढ़कर 6.05 हुई, स्वास्थ्य योजना बीमा द्वारा कवर किए गए परिवारों की संख्या 68.50 से बढ़कर 71.4 हुआ, प्रति एक लाख जनसंख्या पर एटीएम 12.5 से बढ़कर 15.21 हो गए। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में कुल रोजगार के प्रतिशत के रूप में विनिर्माण रोजगार 5.46 से बढ़कर 7.58 हो गया। प्रदेश में मानव तस्करी के मामलों में 10 गुना कमी आई है, 11.72 से आंकड़े घटकर मात्र 1.37 रह गया था, अब डबल इंजन की सरकार आने के बाद व्यवस्था बदहाल होने लगी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ में शिक्षा की व्यवस्था दुरूस्त की प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई जाने वाले शिक्षण सामग्री का 22 स्थानी बोलियां में किताब छापने की व्यवस्था की। पुराने स्कूलों के बेहतर संचालन के साथ ही स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल की योजना शुरू की जिसके चलते गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। भाजपा की सरकार बनने के बाद पिछले 7 माह से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली, पानी, सड़क सहित सभी मामलों में व्यवस्था बिगड़ चुकी है। भाजपा की सरकार का फोकस केवल भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी में है, आम जनता के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति से भारतीय जनता पार्टी का कोई सरोकार नहीं है।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने के नाम से 44 लाख की ठगी,एक आरोपी गिरफ्तार

रेंज साइबर थाना रायपुर की बड़ी कार्यवाही, 13 लाख रुपए बैंक खाता में होल्ड कराया गया

रायपुर(समय दर्शन)। शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने के नाम से 44 लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को दुर्ग से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संजय वर्मा पिता विनोद वर्मा उम्र 44 वर्ष निवासी गोल्डन टावर अमलीडीह ने 2 जुलाई को थाना न्यू राजेंद्र नगर रायपुर ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 44 लाख की ठगी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में थाने में धारा 420,34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के लिए रेंज साइबर थाना रायपुर को भेजा गया था। मामले में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशानुसार विवेचना क्रम में रेंज साइबर थाना द्वारा ठगी की राशि 13 लाख को विभिन्न बैंक अकाउंट में होल्ड कराया गया। तथा तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए। आरोपियों द्वारा मोबाइल

नंबर 9109750934 से प्रार्थी को वॉट्सएप कॉल कर झांसा में लिया गया था, उक्त नंबर का धारक परमेश्वर निवासी कुथरेल दुर्ग से पूछताछ पर उक्त नंबर को नही जानना बताया था। कंपनी का एजेंट विक्की देवांगन दिनांक 14 फरवरी को परमेश्वर के अन्य मोबाइल नंबर को पोर्ट करते समय फिंगर का दो बार स्कैन करवा कर एकस्ट्रा सिम एक्टिव कर लिया था, बाद में उस सिम को अधिक राशि लेकर बेच दिया था। मामले में आरोपी विक्की देवांगन को गुरूवार 18 जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

संपादकीय

ट्रंप को जीवनदान भगवान की देन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला निश्चित रूप से चिंता का सबब है। 40 दिन पूर्व राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले ट्रंप पर एक चुनावी सभा में जानलेवा हमले से हर कोई हलकान है। वाकई ट्रंप को जो जीवनदान मिला है, वह भगवान की देन ही कही जाएगी। खुद ट्रंप ऐसा मानते हैं। दरअसल, अमेरिका में बंदूक संस्कृति की वजह से खून-खराबे का ऐसा माहौल बना है। कहते हैं कि वहां लोगों से ज्यादा बंदूकें हैं। हालांकि इस हमले को सियासी चश्मे से भी देखा और परखा जा रहा है। कई जानकार तो यहां तक दावा करने लगे हैं कि इस हमले के बाद ट्रंप की जीत की राह काफी आसान हो गई है। बहरहाल, ये सभी कयासबाजी मुकम्मल जांच के बाद ही साफ हो सकेंगी कि इसके पीछे किसकी साजिश है। प्रथम दृष्टया जो कुछ सार्वजनिक हुआ है, उसमें हमलावर की ट्रंप के प्रति नासंदगी की बात है। चुनाव के ठीक पहले इस तरह के हमले को लेकर कई किंतु-परंतु होते हैं। यह लगभग हर देश में होता है। अमेरिका में भी इसे लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं, मगर एक बात तो हर किसी को अपने जेहन में रखनी होगी कि हिंसा और खून बहाना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए श्राप से कम नहीं। इस नाते किसी को भी इस मसले पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। विश्व के सबसे ताकतवर मुल्क के मुखिया के पद पर रहे शख्स को जान से मारने की नीयत से हमला करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडन को तुरंत पूरे प्रकरण की ठोस जांच करानी चाहिए और इस बात का भरोसा विपक्षी दलों समेत देश की जनता को दिलाना चाहिए कि ऐसे कृत्य नाकाबिले बर्दाश्त हैं। इस बात की भी जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए कि उनकी सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंट से कहां चूक हुई। निश्चित तौर पर ट्रंप पर हमला सामान्य घटना नहीं है। इससे अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की पूरी दिशा ही बदल सकती है। ट्रंप फिलहाल बाइडन से प्रचार में बढ़त बनाए हुए हैं। बाइडन की उम्र और उम्र संबंधी दुारियों की वजह से रिपब्लिन पार्टी फिलवक्त कमजोर दिखती है। अगर ट्रंप पर हमले की घटना आम अमेरिकियों के दिलो-दिमाग पर गहरे तक असर डालेगी तो वहां सत्ता में बदलाव हो सकता है। देखना है, रिपब्लिकन पार्टी पूरी घटना से खुद को कैसे उबार पाती है? आने वाला वक्त वाकई दिलचस्प होने वाला है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून

डॉ. असद रजा

जुलाई 12 से 31 तक विश्व में विशेष रूप से हमारे देश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसमें जनसंख्या को बढ़ने से रोकने के लिए जागरूकता रैलियां निकाली जा रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की समस्या के समाधान के बारे में विभिन्न राजनीतिक दलों के बयान आए हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा भाजपा बिहार के राज्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए परंतु एनडीए के घटक दल जदयू के नेता इस बारे में कठोर कानून बनाने का समर्थन नहीं करते क्योंकि उन्हें दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बिदकने का भय है। वास्तव में जदयू और टीडीपी जैसे मोदी सरकार के घटक दलों को चिंता है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून का समर्थन करने से उनका मुस्लिम और दलित वोट खिसक सकता है, इसलिए ये दल परिवार नियोजन के लिए जन-जागरूकता पर बल देते हैं। कुछ अति धर्मभीरु और मजहबी लोग बच्चों को अल्लाह की देन समझते हैं। मानते हैं कि अन्न-भोजन देने की जिम्मेदारी अल्लाह ने ले रखी है, इसलिए जनसंख्या को रोकने के लिए कठोर कानून की जरूरत नहीं है परंतु यह तर्क नहीं, कुतर्क है। ऐसा होता तो अफ्रीका आदि क्षेत्रों में लोग भूख से क्यों मरते? निश्चय ही हमारा देश विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। हमने इस मैदान में चीन को भी पछाड़ दिया है, और आज एक अरब 45 लाख से अधिक आबादी का बोझ उठा रहे हैं। बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण तथा अपराध में वृद्धि का एक प्रमुख कारण आबादी में भारी इजाफा भी है। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और घृणा का एक बड़ा कारण भी जनसंख्या में वृद्धि है। बहुसंख्यक हिन्दू आबादी मुसलमानों की बढ़ती आबादी को खतरा मानती है। उनमें से कुछ का यह भी मानना है कि भविष्य में भारत भी पाकिस्तान की भांति इस्लामी राष्ट्र बन सकता है। यद्यपि यह काल्पनिक भविष्याणी है क्योंकि देश में मुसलमानों में भी बच्चों की जन्म दर कम हुई है परंतु हिन्दुओं में यह दर अधिक कम हुई है। कई अदूरदर्शी मौलवी तथा मुस्लिम नेता भी जनसंख्या रोकने के लिए कड़े कानून का विरोध करके हिन्दुओं की आशंका को मजबूत करते हैं। भाजपा सहित संघ परिवार के सभी संगठन तथा उदारवादी मुसलमान जनसंख्या नियंत्रण कानून के पक्षधर हैं परंतु इस तथ्य की भी अवहेलना नहीं की जा सकती कि उच्च और मध्यम वर्ग के हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन के परिवार साधारणतया दो या तीन बच्चों तक सीमित होते हैं क्योंकि उन्हें अपने बालकों को उत्तम शिक्षा दिला कर सफल नागरिक बनाना होता है, उन्हें पौष्टिक भोजन तथा साफ-सुथरा घर और वस्त्र उपलब्ध कराने होते हैं जबकि निम्न वर्ग के लोग चूंकि अशिक्षित या अर्धशिक्षित होते हैं, और उनके लिए मनोरंजन का एकमात्र साधन सैक्स होता है। अत- वे अधिक बच्चे पैदा करते हैं तथा उन्हें उनकी शिक्षा दीक्षा की चिंता नहीं होती अपितु वे अपने आठ दस वर्ष के बालक को किसी ढाबे पर काम पर लगा देते हैं, और बालक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो जाता है। चूंकि मुसलमान, दलित और आदिवासी ही अधिकतर गरीब और आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े होते हैं, इसलिए उनके ही अधिक बच्चे होते हैं। निस्संदेह मोदी सरकार को कठोर जनसंख्या कानून बनाना चाहिए। परंतु कटु सत्य यह भी है कि संसद में ऐसा सख्त कानून पास कराना कठिन होगा क्योंकि मौजूदा संसद में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए कोई कानून पास कराने के लिए उसे सहयोगी दलों विशेष रूप से जदयू और टीडीपी का समर्थन लेना होगा परंतु दोनों दल मुस्लिम और दलित वोटर को दृष्टि में रखते हुए कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून को शायद समर्थन न दें।

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ रहा खतरा स्वास्थ्य को चौपट कर देगा

ललित गर्ग

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत का अनेक खतरों से रू-ब-रू होना चिन्ता में डाल रहा है। बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफइंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फहम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा।

भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफतो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है।

इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे। कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे। बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी प्रोत्साहित किया जाये। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने 'रोड क्रोसिंग' पर खड़े 'ट्रेफ्फिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर 'ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है।

रेल दुर्घटनाओं से उपजते सवालों के जवाब आखिर कौन देगा, कब तक मिलेगा

कमलेश पांडे

लीजिए, एक और ट्रेन दुर्घटना हो गई। यह घटना उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में घटित हुई, इसलिए इसे गोंडा ट्रेन दुर्घटना के नाम से जाना गया। देखा जाए तो पिछले एक महीने में यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है, जिसमें 3-4 यात्रियों की मौत हो चुकी है और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल चुके हैं। इससे एक सुलगता हुआ सवाल पैदा हो रहा है कि लाखों लोगों के लिए यात्रा का प्राथमिक साधन रेलवे अब उतना सुरक्षित नहीं रह गया है, जितनी कि उससे अपेक्षा हुआ करती है।

आंकड़े बताते हैं कि भारत के रेलवे नेटवर्क में, 64,000 किलोमीटर (40,000 मील) ट्रैक पर 14,000 ट्रेनों में प्रतिदिन 12 मिलियन से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। बावजूद इसके यहां रेल दुर्घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। गत जून महीने में ही पश्चिम बंगाल में एक मालगाड़ी एक यात्री ट्रेन से टकरा गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए, क्योंकि मालगाड़ी के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी।

इसी तरह से पिछले साल, पूर्वी भारत में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें 280 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जो दशकों में सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक थी। आलम यह है कि रेल सुरक्षा में सुधार के तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद, हर साल कई एक दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनका कारण अक्सर मानवीय भूल या पुराने सिग्नलिंग उपकरण होते हैं। लेकिन लगातार हो रही इन रेल दुर्घटनाओं को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण सवाल पैदा हो रहे हैं, जिनके जवाब समय रहते ही मिल जाएं तो इन दुर्घटनाओं को टाला जा सकेगा। पहला, रेलवे की 'कवच' सुरक्षा प्रणाली अब तक केवल 1 प्रतिशत रेलवे ट्रैक को ही क्यों कवर कर पाई है? इस विलम्ब के लिए कौन जिम्मेदार है? दूसरा, अगर देश के पास सभी रेलवे ट्रैक पर कवच प्रणाली लगाने के साधन नहीं हैं, तो प्रधानमंत्री और रेलमंत्री कवच प्रणाली को अपग्रेड करने के बजाय बुलेट ट्रेनों और 250 किलोमीटर प्रति घंटे की हाई स्पीड ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के पीछे क्यों पड़े हैं? क्या उनके ऊपर कोई कूटनीतिक दबाव है या फिर मित्र उद्योगपतियों और ठेकेदारों को उपकृत करने के लिए यह सबकुछ किया जाएगा।

तीसरा, लगातार रेल दुर्घटनाओं के बावजूद भारत सरकार ने रेल सुरक्षा पर खर्च करने के बजाय बुलेट ट्रेनों पर 1 लाख करोड़ रुपये क्यों खर्च किए? क्या इसके लिए रेलवे सुरक्षा के लिए आवंटित धन को डायवर्ट किया गया?

चतुर्थ, वित्त वर्ष 2024 में ट्रैक नवीनीकरण के लिए आवंटन बजट के 7.2 प्रतिशत तक ही सीमित क्यों रखा गया? क्या सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए रखरखाव और नवीनीकरण को उच्च प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए? यदि नहीं तो फिर उपाय क्या है?

पंचम, दिसंबर 2022 में सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया था कि 2018 से 2021 तक 69 प्रतिशत रेल दुर्घटनाएँ रेल दुर्घटनाओं से संबंधित थीं। सीएजी निरीक्षण रिपोर्ट में गंभीर कमियों की पहचान की गई थी। लेकिन उन कमियों पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इस लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है? छठा, रेलवे में लगभग 3 लाख रिक्तियाँ क्यों हैं? जिनमें से 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा से संबंधित पद हैं। क्या इस सरकार के लिए यात्री सुरक्षा का कोई मतलब नहीं है? या फिर इसे भी चरणबद्ध रूप से निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी चल रही है, जो समय के साथ प्रकाश में आएगा।

सातवां, लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद मोदी सरकार ने रेल बजट को आम बजट में क्यों मिला दिया? क्या इसे उचित फैसला करार दिया जा सकता है।

आठवां, जब कतिपय जांच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए ऑटोमेटिक सिग्नल की विफलता, संचालन के प्रबंधन में कई स्तरों पर खामियाँ और लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण की अनुपलब्धता जैसे कुछ कारण बताए गए हैं, तो फिर उन्हें पूरा करके इन कमियों को दूर क्यों नहीं किया जा रहा है?

नवम, इन तमाम गम्भीर सवालों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, जो आत्म-प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ते, सेल्फी और रील कल्चर के आदि हो चुके हैं, को भारतीय रेलवे में हुई भारी खामियों की सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए या नहीं? यदि नहीं तो क्यों नहीं? दशम, सच कहा जाए तो यह जांच का विषय है कि ट्रेन से जुड़ी कई दुर्घटनाएँ लगातार हो रही हैं, पर अपेक्षित कार्रवाई नदारत। देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं, लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, ऐसे में अगर कोई सबसे बड़ा दोषी है तो वो रेल मंत्री हैं या फिर रेल महकमें के वो बड़े अधिकारी जो इन्हें रोकने के प्रति गम्भीर नहीं हैं। इसलिए पूर्व के रेल मंत्रियों की तरह ही इन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए।

अंतिम सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है, और यदि नहीं, तो क्यों नहीं? वैसे तो पिछले दशक में भारत में कई रेल दुर्घटनाएँ कई कारणों से हुई हैं, जिनमें यांत्रिक विफलताओं से लेकर मानवीय लापरवाही तक शामिल हैं। इसलिए यहाँ पर हम कुछ प्रमुख घटनाओं, उनके कारणों और अधिकारियों द्वारा कही गई बातों पर एक नज़र डालते हैं, ताकि आप यह समझ सकें।

पहला, 26 मई, 2014 को, हिसार-गोरखपुर मार्ग पर गोरखधाम एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश में एक डबल-लाइन सेक्शन से गुज़र रही थी, जब इसका इंजन 11 डिब्बों के साथ पटरी से उतर गया। इस दुर्घटना का कारण टंग रेल का फ्रैक्चर माना गया, जो ट्रेनों को आसानी से दूसरी रेलवे लाइन पर जाने में मदद करता है, और इसे उपकरण की विफलता के रूप में वर्गीकृत किया गया। इस घटना में कम से कम 29 यात्रियों की जान चली गई, जबकि 70 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। दूसरा, 2015 में वाराणसी-देहरादून जनता एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश के एक स्टेशन पर रुकने में विफल रही, जिसके कारण 20 मार्च, 2015 को कुछ डिब्बे दुर्घटनाग्रस्त हो गए और पटरी से उतर गए। उस समय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा था कि जब ट्रेन बछरावां स्टेशन में प्रवेश कर रही थी, तब ट्रेन के लोको पायलट ने सिग्नल को पार कर लिया और रेत के ढेर में जा टकराई, जिससे ट्रेन का इंजन और दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में लगभग 39 यात्रियों की मौत हो गई और 150 लोग घायल हो गए। तीसरा, 20 नवंबर, 2016 को कानपुर देहात जिले के पुखरायां इलाके में इंदौर-पटना एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में 152 लोगों की जान चली गई। हाल के वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में हुई सबसे बड़ी मौतों में से यह एक है।

चतुर्थ, 21 जनवरी, 2017 को जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस आंध्र प्रदेश के कुनेरू स्टेशन पर पटरी से उतर गई। ओडिशा जाने वाली इस ट्रेन की दुर्घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

पंचम, 19 अक्टूबर, 2018 को अमृतसर के नज़दीक रेलवे ट्रैक पर दशहरा समारोह देखने के लिए खड़े लोगों को दो ट्रेनों ने रौंद दिया, जिसमें लगभग 60 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। जब जालंधर-अमृतसर डीएमयू ट्रैक पर आई, तो आतिशबाजी देखने के लिए लगभग 300 लोगों की भीड़ जमा थी।

छठा, 3 फरवरी, 2019 को बिहार के वैशाली जिले में दिल्ली जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस की बोगियों के पटरी से उतरने के कारण सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना में सहदेई-बुजुर्ग रेलवे स्टेशन के पास नौ ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतर गए।

सातवां, हैदराबाद के पास चेरलापल्ली स्टेशन से नासिक के पनेवाड़ी स्टेशन जा रही एक खाली मालगाड़ी ने 8 मई, 2020 को पटरियों पर सो रहे 16 श्रमिकों को गलती से कुचल दिया। कथित तौर पर लोको पायलट ने श्रमिकों को देखा, लेकिन समय रहते ट्रेन को रोकने में विफल रहा।

आठवां, 13 जनवरी, 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के डोमोहानी इलाके में बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के 12 डिब्बे पटरी से उतर जाने से 10 यात्रियों की मौत हो गई और 40 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। सीआरएस के अनुसार, पटरी से उतरने का कारण उपकरण (लोकोमोटिव) की विफलता थी।

नवम, 2 जून 2023 को शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी परस्पर टक्कर हुई। इन तीनों ट्रेनों की टक्कर के कारण भारत में सबसे खराब रेल दुर्घटना हुई, जिसके कारण 2 जून, 2023 को कम से कम 293 लोगों की मौत हो गई।

दशम, इस साल 7 जून 2024 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और कम से कम 40 लोग घायल हो गए।

बहरहाल, सरकार ने मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल होने पर 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल होने पर 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जो नाकाफी है। मृतकों के परिवारों को कम से कम ?50-50 लाख का मुआवज़ा दिया जाना चाहिए।

कम नींद लेने पर डायबिटीज मरीजों को हो सकती हैं ये दिक्कत

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको कम सेक कम 8 घंटे की नींद लेना चाहिए, नहीं तो आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है।

पर्याप्त नींद सेहत की कुंजी होती है। नींद खराब यानी आपकी सेहत खराब। नींद की कमी के कारण हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। खासकर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको पर्याप्त नींद लेना काफी जरूरी होता है,नहीं तो इससे आपकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है। आइए जानते हैं कम नींद लेने पर डायबिटीज के मरीजों को क्या-क्या दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका कोई इलाज नहीं है,यह एक बार हो जाता है तो यह आपके जीवन भर का साथी बन जाता है। इसमें पैंक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाते हैं या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं,इसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

हो सकती हैं ये दिक्कत

एक्सपर्ट के मुताबिक नींद की कमी आपके ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। जो लोग 6 घंटे से कम नींद लेते हैं उनके शरीर में हार्मोन की गड़बड़ी होने लगती है,इसका सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ सकता है। स्लीप साइकिल छोटी होने पर ब्लड वेसल को नुकसान पहुंच सकता है। देर से सोने से आपका इंसुलिन प्रतिरोध खराब हो सकता है। इसके कारण दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप प्री-डायबिटिक हैं और कम नींद लेते हैं तो आप डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल

- एक्सरसाइज करें
- 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
- सोने का सही पैटर्न सेट करें
- हेल्दी डाइट लें।
- तंबाकू और शराब से दूरी बनाएं।

साइलेंट डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं जिसकी वजह से कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

क्या है साइलेंट डिहाइड्रेशन? समय रहते पहचानना है बेहद जरूरी

यूं तो डिहाइड्रेशन की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है । हमारे शरीर को हेल्दी रहने और सही तरह से फंक्शन करने के लिए पानी की बहुत जरूरत होती है। शरीर से टॉक्सिन्स, यूरिन और पसीने के जरिए पानी बाहर निकलता है। जितनी मात्रा में पानी हमारे शरीर से बाहर जा रहा है उसके अनुपात में जब हम पानी नहीं पीते हैं तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर चक्कर आना, त्वचा से जुड़ी समस्याएं, किडनी या लिवर का ठीक तरह से काम न करना और भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर न आने पर भी आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके लक्षण बहुत बाद में सामने आते हैं जिसके चलते कई हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इस बारे में हमने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट,डाइटीशियन, स्वाति बथवाल से बातचीत की। आइए जानते हैं साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है और कैसे इससे बचा जा सकता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है?

डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इस समस्या के कई लक्षण शरीर में दिखाई देते हैं जिनमें कमजोरी लगना, प्यास लगना, मुंह सूखना या फिर चक्कर आना शामिल हैं। अगर आपको इनमें से कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको डिहाइड्रेशन ही समस्या नहीं है। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर नहीं आते हैं, इसे साइलेंट डिहाइड्रेशन कहा जाता है। यह डिहाइड्रेशन से अधिक खतरनाक होता है क्योंकि इस स्थिति में आप पहचान ही नहीं पाते हैं कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहा है।

क्या होती है वजहें?

डिहाइड्रेशन के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं। जिनमें डायरिया, अधिक पसीना आना, उल्टी होना या फिर पानी कम पीना शामिल हैं। डिहाइड्रेशन के दौरान हमारे शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे कि क्लोराइड, पोटेशियम और सोडियम की भी कमी हो जाती है। इस कमी को तुरंत पूरा किया जाना बहुत जरूरी है। ये सभी इलेक्ट्रोलाइट्स हमारी सेल्स के सही तरह से काम करने के लिए बहुत जरूरी है और अगर तुरंत इनकी कमी को पूरा नहीं किया गया तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

कितना पानी है सही?

एक्सपर्ट की मानें तो दिन भर में आपको 35ml/kgBW/day पानी पीना चाहिए। इसे आसान भाषा में समझते हैं। अगर आपका वजन 50 किलो है तो आपको एक दिन में लगभग 35x 50 = 1.5 लीटर पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से जो पानी निकलता है उसकी कमी भी पूरी होनी चाहिए।

क्या करें?

- हाइड्रेट रहने के लिए सिप करते हुए पानी पिएं। दिन भर में 1-2 गिलास पानी/शरबत/नींबू पानी चुटकी भर नमक डालकर पिएं।
- कई बार काम के बीच हम पानी पीना भूल जाते हैं या प्यास लगने पर भी इग्नोर कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें।
- तरबूज, खरबूज, खीरा(खीरे के जूस के फायदे) और ककड़ी जिन चीजों में पानी की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें।
- एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में अपना वजन चेक करें। अगर आपके वजन में 1 किलो का अंतर है तो अपनी डाइट में 1.5 लीटर पानी को शामिल करें। हाइड्रेशन सिर्फ पानी से नहीं आता है बल्कि शरबत, शिकंजी और चिया सीड्स भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे माने जाते हैं।
- इसके साथ ही हाइड्रेटिंग फ्रूट्स जैसे तरबूज, ककड़ी, खीरा, कोकम शर्बत और बेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपको हाइड्रेशन भी मिलता है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। ये सब शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं।
- अगर आप कॉफी, सोडा, कैफीन वाली ड्रिंक्स या एल्कोहल पीते हैं तो भी आप डिहाइड्रेटेड हो सकते हैं इसलिए एक कप कॉफी से कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिएं।
- पानी की मात्रा भी शरीर में जरूरत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम लेवल कम हो सकता है जो जानलेवा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन के कारण बिगड़ सकती है चेहरे की रंगत

अक्सर लोगों को लगता है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में ही होता है। लेकिन, ऐसा नहीं है। डिहाइड्रेशन का असर, हमारी स्किन पर भी होता है। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है।

शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए, पानी की सही मात्रा बहुत जरूरी है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका असर बॉडी फंक्शन्स पर होता है। गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने पर डिहाइड्रेशन के मामले ज्यादा सामने आने लगते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में होता है। हालांकि, गर्मियों में इसका खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि शरीर से जिस अनुपात में यूरिन और पसीने के जरिए, पानी बाहर जाता है, जब हम उसके अनुपात में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन का असर शरीर के काम पर तो होता ही है। लेकिन, साथ ही इसके कुछ संकेत स्किन पर भी नजर आने लगते हैं। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। डिहाइड्रेशन किस तरह हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर सकता है, एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं, तो इसका असर आपकी स्किन पर भी हो सकता है।

- स्किन को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका है और यही कारण है कि जब आप कम पानी पीती हैं, तो इससे स्किन की रंगत खोने लगती है।
- डिहाइड्रेशन के कारण, स्किन रूखी और बेजान लगने लगती है।
- जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है और इसके कारण, एक्ने होने लगते हैं।
- पानी की कमी के कारण, स्किन पर कालापन भी नजर आ सकता है।
- इसके कारण समय से पहले स्किन पर एजिंग के साइन्स दिखाई देते हैं और त्वचा की कसावट और लचीलापन कम होने लगता है।
- डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।
- आपकी स्किन किसी भी टाइप की हो, पानी की कमी होने पर, यह अपनी चमक खोने लगती है।
- इसके कारण आंखों के नीचे स्वेलिंग या काले घेरे भी हो सकते हैं।
- स्किन हेल्थ के लिए, 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए, सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इन्हें एक्सपर्ट के बताए तरीके से इस्तेमाल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

ऐसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट और जानें शरीर को कितने पानी की है जरूरत

शरीर में पानी की जरूरत कितनी होती है और डिहाइड्रेटेड होने पर क्या-क्या हो सकता है इसके बारे में तो आप जानते ही होंगे। दरअसल, शरीर की असली ताकत सभी विटामिन-मिनरल्स के साथ-साथ सही हाइड्रेशन पर भी निर्भर रहती है और अगर आपने इसपर ध्यान नहीं दिया तो ये भी हो सकता है कि आपके साथ कई तरह की समस्याएं हो जाएं जैसे स्किन प्रॉब्लम्स, हीट स्ट्रोक, किडनी या लिवर का ठीक तरह से फंक्शन न करना, वॉटर रिटेंशन की समस्या आदि। ऐसे में कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती कि कब वो डिहाइड्रेट हो रहे हैं और कैसे वो इसे सुधारें। सबसे पहले हमें ये जानना जरूरी है कि हम खुद से ही अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे करें। इसके लिए सेलेब न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये बताया है कि हम खुद ही स्किन के जरिए अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे कर सकते हैं। हमारी स्किन हमें बता सकती है कि शरीर को पानी की जरूरत है या फिर नहीं है।

कैसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट?

स्किन के डिहाइड्रेट होने से ये पता लगाया जा सकता है कि हमारा शरीर कितना डिहाइड्रेटेड है। पूजा मखीजा का कहना है कि अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं या फिर आप बहुत देर से कोई काम कर रहे हैं तो ये टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसके लिए आप स्किन को बेस बना सकते हैं। क्या करें-

उंगलियों के नकल्स (उंगलियों के जोड़ों की स्किन) को पिंच करके उठाएं। अगर वो एकदम से नीचे चली जाती है तो शरीर डिहाइड्रेटेड नहीं है। अगर ये नीचे जाने में थोड़ा समय लेती है तो आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है। ये टेस्ट आप नॉर्मल स्किन पर भी कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छे नतीजे नकल्स की स्किन पर ही होते हैं। डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप धीरे-धीरे सिप-सिप कर पानी पिएं। एकदम से प्यास लगने पर पूरा 1 ग्लास पानी पी जाना हमें अच्छा तो लगता है, लेकिन यकीन मानिए ये डिहाइड्रेशन पर कोई खास असर नहीं करता है। आपको इसके लिए ठीक तरह से पानी पीना होगा। अगर पूरे दिन में आप थोड़ी-थोड़ी देर में सिप-सिप कर पानी पीते हैं तो शरीर ज्यादा बेहतर तरीके से हाइड्रेट रह सकेगा। किन तरीकों से कम किया जा सकता है डिहाइड्रेशन-

- अगर आपको लग रहा है कि शरीर डिहाइड्रेटेड है तो आप उसे ठीक करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं-
- अगर शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है तो ब्लड शुगर लेवल भी कम होता है ऐसे में ग्लूकोज का पानी लेना सही हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार वीकनेस फील हो रही है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं।
- अगर कहीं ट्रैवल कर रहे हैं तो हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। आप खीरा आदि खाकर भी डिहाइड्रेशन को कम कर सकते हैं।
- अगर आपको लग रहा है कि गर्मी और धूप के कारण चक्कर आ रहा है तो छांव में जाकर शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और फिर थोड़ा सा पानी पिएं। एकदम से पानी पीना सही नहीं होगा।
- अगर डिहाइड्रेशन के कारण उल्टी-दस्त शुरू हो गए हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत विभाग के शट डाउन के कारण पानी सप्लाई बाधित रहेगी

भिलाईनगर। विद्युत विभाग द्वारा सूचना दी गई है कि 20 जुलाई को विद्युत मण्डल द्वारा मेनटेनेंस का कार्य किया जायेगा। जिसके कारण सुबह 11 बजे से साम 4 बजे तक शट डाउन रहेगा। विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। जिसके कारण नगर निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. एवं 77 एम.एल.डी. में पानी आपूर्ति समय अनुसार नहीं हो पायेगा। जलशोधन यंत्र दिन मे 11 बजे से साम 4 बजे तक बंद रहेगे। इसके कारण फ्रीद नगर, मदर टेरेसा नगर एवं खुर्सीपार पानी की टंकी से साम की सप्लाई प्रभावित रहेगी। विद्युत विभाग के मेनटेनेंस का कार्य पूर्ण हो जाने पर जैसे ही विद्युत सप्लाई पूर्वत शुरू हो जायेगा। निगम का फिल्टर प्लांट से जल आपूर्ति समय अनुसार की जावेगी। असुविधा के लिए खेद है।

न्यूज पोर्टल्स के इम्पेनलमेंट हेतु फर्जी मैसेज करने वाले के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज, जनसम्पर्क संचालनालय ने राखी थाने में कराया एफआईआर

रायपुर। जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा न्यूज पोर्टल्स एवं न्यूज वेबसाईट के इम्पेनलमेंट के लिए आवेदकों को फर्जी मैसेज भेजने वाले के खिलाफ राखी पुलिस थाने में एफ्आईआर दर्ज करायी गई है। दरअसल जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा न्यूज पोर्टल्स एवं न्यूज वेबसाइट के इम्पेनलमेंट के लिए 27 जून से 18 जुलाई 2024 तक ऑनलाईन आवेदन-पत्र आंमत्रित किए गए थे। इस दौरान 16 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति द्वारा रबिक प्राईवेट लिमिटेड के नाम पर आवेदकों को व्हाटसअप मैसेज भेजकर यह कहा गया कि उनके आवेदन और पोर्टल्स में कुछ समस्या है, जिसके कारण जनसम्पर्क संचालनालय में उनके इम्पेनलमेंट की संभावना नहीं है। इसके समाधान के लिए आवेदक उनसे सम्पर्क करें। जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा इसकी शिकायत मिलने पर नवा रायपुर स्थित राखी थाने में एफ्आईआर क्रमांक 0158 दर्ज कराई गई है। राखी थाने द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 319 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

ऑनर ने भारत में ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की, एआई-पॉवर्ड स्टूडियो-लेवल पोर्ट्रेट फोटोग्राफी द्वारा मोबाईल इमेजिंग को आधुनिक बनाया

नई दिल्ली: ऑनर ने भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आज ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की। यह इसकी प्रतिष्ठित नंबर सीरीज़ में सबसे नया लॉन्च है। इस सीरीज़ में ऑनर 200 प्रो 5जी और ऑनर 200 5जी हैं, जो पॉवर और क्रिएटिविटी के दायरे बढ़ाकर ग्राहकों को अत्याधुनिक एआई पॉवर्ड पोर्ट्रेट क्षमताएं, आकर्षक डिस्प्ले, मजबूत हार्डवेयर परफॉर्मेंस, और इन्ट्यूटिव यूज़र केंद्रित एआई अनुभव प्रदान करेंगे। ऑनर 200 प्रो 5जी दो खूबसूरत रंगों - ओशन स्यान और ब्लैक में 57,999 रुपये में 20 जुलाई अर्द्धरात्रि 12 बजे से अमेज़न.इन पर, ब्रांड की वेबसाईट e&plore-honor.com पर और आपके नजदीकी मेनलाइन रिटेल स्टोर्स पर मिलना शुरू होगा। 20 और 23 जुलाई को यह स्मार्टफोन खरीदने वाले सभी ग्राहकों को 8000 रुपये की तत्काल छूट मिलेगी। आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3000 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलेगी। इसके अलावा ग्राहकों को कुछ चुनिंदा मेनलाइन स्टोर्स में 8,499 रुपये मूल्य के मुफ़्त ऑनर उपहार मिलेंगे या इसके बदले 2000 रुपये की तत्काल कूपन छूट दी जाएगी।

ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रुपये तक की बचत के साथ आकर्षक डील्स पेश कीं

बैंगलुरू,: ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के आकर्षक बेनेफ़िट्स प्रदान कर रहा है। 22 जुलाई तक लागू इन ऑफ़र्स में एस1 एक्स+ पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़र्स के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन आकर्षक ऑफ़र्स का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर प्रेम प्रकाश गुप्ता को किया याद

प्रेम प्रकाश गुप्ता का हुआ था आकस्मिक निधन

16 वर्षों से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के नियमित विद्यार्थी - रीटा बहन

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के आनंद सरोवर बघेरा में अविभाजित मध्य प्रदेश के सिंचाई विभाग से चीफ इंजीनियर प्रेम प्रकाश गुप्ता आकस्मिक निधन के उपरांत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । अपने प्रियजनों के बीच पी.पी. गुप्ता के नाम से लोकप्रिय थे । 12 जून 1949 को मुंगेली में जन्मे, श्री गुप्ता धनेली गुप्ता परिवार के प्रथम इंजीनियर थे। छात्र जीवन से ही मेधावी छात्र थे।अविभाजित मध्य प्रदेश के सिंचाई विभाग से चीफइंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सिंचाईं विभाग में कार्यरत रहते हुए पिपरिया बिलासपुर रायपुर राजनांदगाँव ज़िलों के अनेक बाँधो एवम् नहरों के निर्माण , रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वभाव से अत्यंत मिलनसार, हंसमुख़, दयालु थे। आप डॉ. रेखा गुप्ता पूर्व सिविल सर्जन जिला अस्पताल दुर्ग के युगल (जीवन-साथी) थे।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने उनके समाजसेवी व ईश्वरीय कार्य में नि:स्वार्थ सहभागिता का वर्णन करते हुए बताया इस संसार में अनेक मनुष्य जन्म लेते हैं किंतु कुछ मनुष्य आत्माएं कम समय में ही अपने श्रेष्ठ कर्मों के द्वारा जगत में अपने नाम की अमिट छाप छोड़ जाते हैं वह अपने कर्मों के द्वारा दूसरों के लिए अनुकरणीय बन जाते हैं। प्रेम प्रकाश गुप्ता लगभग 16 वर्षों से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के नियमित विद्यार्थी थे। आप संस्था के कार्यों में तन-मन-धन से सदा सहयोगी थे तथा अनेकों को अपने उदार हृदय से सहयोग दिया ।

वरिष्ठ राजयोगी शिक्षिका रुपाली बहन ने उपस्थित सभाजनों को संबोधित करते हुए कहा कि जब किसी के यहां प्रियजन का आकस्मिक निधन हो जाता है तो वातावरण दु:खमय होता है । इसका मूल कारण परमात्मा ने हमें बताया कि हम बहुत समय किसी के अंग-संग होते हैं तो स्वाभाविक रूप से एक लगाव निर्मित हो जाता है, किंतु इस सृष्टि पर जो आत्माएं भिन्न-भिन्न नाम-रूप से अपना पार्ट बजाने आई है उन्हें एक दिन इस देह को त्याग करना ही है। यह जीवन की अनवरत यात्रा है । जो आत्मा शरीर छोड़ती है 13 दिनों के पश्चात पुन: नए गर्भ में प्रवेश करती है तो एक ओर जहां उस आत्मा का जन्म होने वाला होता है और उस आत्मा के आगमन की खुशी रहती है तो दूसरी ओर जहां वह आत्मा शरीर छोड़ चुकी होती है वहाँ दु:ख का वातावरण रहता है और जब वह आत्मा नया शरीर धारण करती है तो कुछ समय तक बोलना नहीं सिखती तब तक उस आत्मा को पूर्व जन्म की सुख-दु:ख की बातें याद आती रहती है तो शिशु अवस्था में कभी रोता है कभी हंसता है जब आत्मा पुराना शरीर छोड़कर नई यात्रा में जाने के लिए तैयार होती है तो हमें उस आत्मा के लिए खुशी, प्रेम,आनंद ,स्नेह के संकल्प करना चाहिए जिससे वह आत्मा जहां भी जन्म ली है वहाँ सदा खुश रहे स्वस्थ रहे प्रसन्न रहे ।

सर्वेश्वरदास आत्मानंद स्कूल के प्राचार्या के लेकर विवाद गहराया

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बिना प्राचार्या के संचालित हो रहे सर्वेश्वदास आत्मानंद स्कूल में कलेक्टर की अध्यक्षता वाली स्थानीय समिति के द्वारा अब तक तीन लोगों को प्राचार्य बनाया जा चुका है, जिसमें से दो वापस रवाना हो गए और अब जिसे प्राचार्य बनाया गया है, वह पहले ही दो स्कूलों की प्राचार्या है, जिसको लेकर विवाद गहरा गया है।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कलेक्टर को एक बंद लिफाफे में जो लिखित शिकायत की गई है, उसके अनुसार डीपीआई द्वारा जारी प्राचार्यो ई-संवर्ग की वरिष्ठता सूची में श्रीमती रश्मि सिंह कि पोस्टिंग हाई स्कूल बुद्धुभरदा, विकासखंड डोंगरगढ़ व जिला राजनांदगांव बताया जा रहा है, जबकि इनका वेतन विगत कई वर्षो से मासूल हाई स्कूल विकासखंड व जिला राजनांदगांव से निकल रहा है, वहीं वर्तमान में उन्हे कलेक्टर एवं डीईओ राजनांदगांव द्वारा सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल जिला राजनांदगांव का प्राचार्य बना दिया गया है, इतना ही नहीं यह प्राचार्या विगत पंद्रह वर्षो से साक्षरता मिशन जिला राजनांदगांव में संलग्न है, जिस योजना को केन्द्र सरकार ने पहले ही कई वर्ष से बंद कर चुकी है।

श्री पॉल ने बताया है कि, मंत्री परिषद का बैठक दिनांक 13.05.2020 में निर्णय लिया गया था कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में प्राचार्या की नियुक्ति राज्य सरकार स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जावेगा, इस संबंध में अनेको बार स्कूल शिक्षा विभाग और लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा लिखित में समस्त कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को यह जानकारी दिया जाता रहा है कि प्राचार्य की नियुक्ति स्कूल शिक्षा विभाग ही करेगा, बावजूद इसके कलेक्टर एवं डीईओ राजनांदगांव द्वारा रश्मि सिंह को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल जिला राजनांदगांव का प्राचार्य बना दिया गया है।

श्री पॉल का कहना है कि यह प्राचार्या विगत पंद्रह वर्षो से किसी भी स्कूल में कभी पढ़ाने गई ही नहीं, बावजूद इसके इनके खाते में प्रतिमाह वेतन हस्तांतरण किया जा रहा है। इनका डीडीओ भैंसातरा उ.मा. शाला, विकासखंड व जिला राजनांदगांव है, जो इनका वेतन बना रहा है। श्री पॉल ने कलेक्टर से यह मांग की है, रश्मि सिंह का वेतन बनाने वाला डीडीओ, किस उपस्थिति पत्रक देखकर इतने वर्षो से इनका वेतन बना रहा है, इसकी गंभीरता से जांच किया जाना उचित होगा, क्योंकि यह भारी वित्तीय अनियमितता का मामला है और यह संगठित अपराध है, जो जानबूझकर सुनियोजित ढंग से किया जा रहा है।

पेड़ पौधों की सुरक्षा और संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी है-हर्षा लोकमनी

नगर पालिका अमलेश्वर में हुआ जल मड़ई का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। जल संरक्षण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता लाने हेतू अमलेश्व नगर पालिका के संयोजन में जल मड़ई का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षालोकमनी चंद्राकर रही उत्तर पाटन मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि फेरहा राम धीवर मंडल महामंत्री कैलाश यादव नगर पालिका के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सतीश यादव, युवा मोर्चा के अध्यक्ष मोहन साहु, नगर अध्यक्ष डॉ आलोक पाल एवं अम्लेश्वर थाना प्रभारी कोसरे जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।साथ ही एक पेड़ मां के नाम आभियान के तहत अम्लेश्वर के पीतांबरा मंदिर के समीप खारुन नदी के किनारे पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। जिला पंचायत सदस्य हर्षा चंद्राकर जी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि आप सब भी अपने घरों के आस पास पौधा अवश्य लगाएं ताकि पेड़ पौधे हमारी आने वाली पीढ़ी के सुख और स्वास्थ्य का आधार बने वैसे भी पेड़ पौधे एवं प्रकृति हमारे लिए जीवनदायिनी है इसकी सुरक्षा और संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी है ।जल संरक्षण करने के लिए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बारिश के पानी को जमा करने का एक अच्छा तरीका होता है इस पानी को बाद में फ़िल्टर किया जाता हैं और फिर इस्तेमाल करने के लिए जमा कर दिया जाता हैं। मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर जी ने उपस्थित लोगो से अधिक से अधिक संख्या में अपने अपने घरों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से जल संरक्षण करने के लिए आम जनमानस में जनजागरण करने का अनुरोध किया ।जल मड़ई कार्यक्रम में जल प्रहरी नीरज वानखेड़े द्वारा जल सरंक्षण की दिशा में जल को सहेजने हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम आदि को मॉडल का उपयोग कर जल संरक्षण का भविष्य सिर्फ हमारे हाथों में ही है इस दिशा में उपस्थित लोगो को मार्गदर्शन दिए। कार्यक्रम में शिवकुमार साहु, मोहन साहू अध्यक्ष युवा मोर्चा, ए आर साहु, रामकुमार साहु, कमलेश साहु, धर्मेंद्र सोनकर, लक्ष्मी देवांगन , राहुल साहु, टीकम यादव नगर पालिका के अधिकारी प्रवीण साहु, ठाकुर जी सहित आंगन बाड़ी के कार्यकर्ता ,महिला स्व सहायता समूह के सदस्य सहित आमजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर अग्रवाल की संवेदनशील पहल से पिछले दस दिनों में 7 लोगों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

कलेक्टर ने आज फिर दो युवकों को नियुक्ति पत्र सौंपकर दी शुभकामनाएं

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल की त्वरित एवं संवेदनशील पहल से पिछले दस दिनों में 7 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति मिल चुकी है। कलेक्टर ने आज दो युवकों को अनुकंपा नियुक्ति सौंपकर निष्ठा एवं लगन से शासकीय सेवा करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि 10 जुलाई को दो,15 जुलाई को तीन तथा आज दो लोगों को इस प्रकार कुल 7 लोगों को पिछले 10 दिनों के भीतर अनुकंपा नियुक्ति दी जा चुकी है। शासन के प्रावधानों के तहत कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश दिये हैं।इसी के तहत अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति मिलने से आज दोनों युवकों ने खुशी जताते हुए कलेक्टर एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। राहुल एवं लोकेश कुमार को भृत्य पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अनुकंपा नियुक्ति मिलने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य शासन की नीति के तहत त्वरित पहल से नौकरी मिल गई है। जिससे आर्थिक समस्याओं को दूर करने एवं परिवार के पालन पोषण में सहायक होगी। उल्लेखनीय है कि आज अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले देवभोग अंतर्गत ग्राम सुपेबेड़ा के निवासी श्री राहुल कुमार ने बताया कि उनके पिताजी सहायक शिक्षक के रूप में प्रायमरी स्कूल ठिरलीगुड़ा में पदस्थ थे। उनके निधन के बाद उन्हें भृत्य पद के रूप में शासकीय मीडिल स्कूल झाखरपारा में नियुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के पालन पोषण एवं देखरेख में सहायता मिलेगी। साथ ही भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसी प्रकार ग्राम दीवानमुड़ा के रहने वाले लोकेश कुमार के पिताजी प्रधानपाठक के रूप में शासकीय मीडिल स्कूल दीवानमुड़ा में पदस्थ थे।

राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में उचित निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक- कलेक्टर चंद्रवाल

सीमांकन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि राजस्व संबंधी मामले आम नागरिकों के हितों से सीधा जुड़ा होता है। इसलिए राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में उचित निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी राजस्व विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को राजस्व प्रकरणों का निराकरण हेतु पूरी संवदेनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिससे कि निर्धारित समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित की जा सके। श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राजस्व संबंधी मामलों को लेकर मुलाकात करने आने वाले लोगों से मधुर एवं आत्मीय व्यवहार करने तथा उन्हें उनके प्रकरणों के निराकरण के संबंध में उचित मार्गदर्शन देने के भी निर्देश दिए। श्री चन्द्रवाल ने कहा हम सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी एक शासकीय सेवक है। इसलिए हमारी प्रतिबद्धता और निष्ठा भी आम जनता के हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी शासकीय सेवकों की भाषा एवं आचार-व्यवहार सभ्य, संयत एवं शालीन होनी चाहिए। बैठक में श्री चन्द्रवाल तहसीलवार लंबित राजस्व प्रकरणों की निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में राजस्व प्रकरणों का अनिवार्य रूप से निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री चन्द्रकांत कौशिक एवं राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में श्री चन्द्रवाल ने राजस्व अधिकारियों को आरबीसी 6/4 के प्रकरणों का निराकरण विशेष प्राथमिकता के साथ करने को कहा। जिससे कि प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल राहत पहुँचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6/4 के प्रकरणों के लिए प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए आरबीसी 6/4 का प्रकरण पटवारी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बैठक में सीमांकन के प्रकरणों की भी समीक्षा की। सीमांकन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने हल्का पटवारियों के उनके मुख्यालय में उपस्थिति के संबंध में लेते हुए नियत तिथि में सभी पटवारियों का अनिवार्य रूप से मुख्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हल्का पटवारियों को बैठक एवं विशेष कार्यों को छोड़कर तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में नही बुलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने बंदोबस्त त्रुटि सुधार, नामांतरण, बँटवारा, खाता विभाजन आदि सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता को राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु किसी भी स्थिति में परेशानियों का सामना न करना पड़े।

खबर-खास

नक्सल हमले में शहीद जवानो को टीम हरीतिमा ने पौधारोपण कर दी श्रद्धांजलि

कवर्धा (समय दर्शन)। बीजापुर नक्सली हिंसा में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए टीम हरीतिमा ने स्वामी करपात्री विद्यालय आउटडोर स्टेडियम में 51 पौधा रोपित कर संरक्षण का संकल्प लिया। टीम के संस्थापक सदस्य अजय लूनिया ने बताया वीर सपूतों के बलिदान को नमन करते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित की गई और उनकी याद में 51 ट्री गार्ड की सुरक्षा के साथ पौधे लगाए गए हैं इन पौधों की देखभाल टीम के सदस्यगण स्वयं करेंगे और भविष्य में यही पौधे हमें इन शहीदों की शहादत को याद दिलाते रहेंगे। उनका बलिदान सदैव याद रखा जाएगा। श्री लूनिया ने कहा कि हम सभी को एक पेड़ उन वीर शहीद जवानों के नाम लगाना चाहिए जिन्होंने अपना जीवन देश की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों सभी ने देखा है कि भारी गर्मी और तपन के बीच एक एक पेड़ का कितना महत्व था, इसीलिए पेड़ है तो जीवन है। इस मूल मंत्र के साथ हरीतिमा विगत 6 वर्षो में नौ हजार से अधिक पौधा रोपित किए है जो आज शहर में हरियाली बिखेर रही है। टीम के एक एक सदस्यों का समर्पण भाव है जो सर्दी, गर्मी, बरसात में भी बिना रुके, बिना थके निरंतर कार्य कर रहे है।इस अवसर पर अशोक साहू पूर्व विधायक, कैलाश चंद्रवंशी जिला उपाध्यक्ष भाजपा, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी शहर अध्यक्ष भाजपा, अजय शर्मा समाज सेवी, देवेंद्र मिश्रा, शेखर बक्शी अधिवक्ता, श्रीकांत उपाध्याय, शैलेंद्र उपाध्याय एवम टीम के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी वेतन वृद्धि एवं 18 सूत्री मांग को लेकर दो दिवसीय हड़ताल के एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी का ध्यान आकर्षण प्रदर्शन रायपुर में

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी जिला गरियाबंद एनएचएम कर्मचारियों का लंबित 27त्न वेतन वृद्धि एवं नियमिती करण सहित 18 बिंदु मांग के संबंध में प्रदेश स्तरीय दो दिवस धरना प्रदर्शन आंदोलन रायपुर में 22 एवं 23 जुलाई को दो दिवस किया जाना है,जिसके चलते मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला गरियाबंद को ज्ञापन सौपा गया।

ज्ञापन के समय एनएचएम कर्मचारियों में एक जुड़ता दिखाई दिया।एनएचएम कर्मियों द्वारा विगत 6 माह में वर्तमान सरकार को 24 बार ज्ञापन एवं आवेदन दिया जा चुका है इसके बाद भी कोई भी कार्यवाही नहीं होने के कारण उक्त कर्मचारी में भारी रोश व्याप्त है। जिससे आंदोलन में जाने विवश हो रहे हैं ज्ञात हो कि पिछली जुलाई 2023 में बजट सत्र के दौरान अनुपूरक बजट में 37000 संविदा कर्मचारियों के लिए 27त्न वेतन वृद्धि का प्रदान किया गया था कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि उक्त वेतन वृद्धि लाभ स्वच्छता मिशन मनरेगा,समग्र शिक्षा विभाग को मिल गया है।जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के 15000 संविदा कर्मचारियों को 27त्न वेतन वृद्धि अब तक अप्राप्त है, 18 सूत्रीय माँगों में नियमितिकरण,लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि,ग्रेड पे निर्धारण,वेतन विसंगति निराकरण, सी आर व्यवस्था में सुधार,चिकित्सा परिचर्या,अवकाश नियम में बदलाव,अनुकंपा नियुक्ति और अनुदान में राशि मे वृद्धि,सेवा पुस्तिका संधारण,तबादला व्यवस्था में नियमितता जैसी प्रमुख मांगें सम्मिलित हैं।जिसके कारण कर्मियों में भारी निराशा एवं रोश व्याप्त हैं,जिससे विवश होकर एनएचएम संविदा कर्मचारी 22 व 23 जुलाई को बड़ी आंदोलन के तैयारी में आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला गरियाबंद मे जिला एन एच एम के पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया है।उक्त कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर पड़ेगा।जिससे निम्न कार्यक्रम प्रभावित होगा डिलीवरी संस्थागत प्रसव टीकाकरण,ओपीडी,आईपीडी,जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र,राष्ट्रीय कार्यक्रम टीबी टेस्ट,दवाई वितरण, मलेरिया,गर्भवती महिलाओं का रूटीन टेस्ट,एच आई वी एड्स टेस्ट जाँच एंव काउंसलिंग,डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा कार्यक्रम पर प्रभावित हो सकता है।वर्तमान में जिला में डायरिया नियंत्रण एंव मलेरिया के संभावित मरीजों का सर्वे चल रहा हैं कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से सभी स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रभावित होगा आम जनता को परेशानी का करना पड़ेगा सामना।ज्ञापन देने वालों में प्रशांत अवधीया,लम्बोदर महतो,अमृत,भूपेश साहू,मनीष डांडे,भारत ठाकुर,दीपेश टांडी,कमलेश,योगेश,लालिमा साहू,टिकेश साहू,तुमित, नवीन,सौरभ, धीरज ,संदीप, लीला राम,शेष सिन्हा,ललित आदि उपस्थित रहे।

हड़ताल ज्ञापन

सरेंडा गांव में तीन ग्रामीणों की मृत्यु दूषित जल या डायरिया से नहीं हुई

कलेक्टर को तीन अलग-अलग विभागों की संयुक्त टीम ने जांच रिपोर्ट सौपी

कवर्धा (समय दर्शन)। बोडला विकासखण्ड के ग्राम सोनवाही के पारा-टोला ग्राम सरेंडा निवासी तीन ग्रामीणों की मृत्यु का कारण दूषित जल पीने अथवा डायरिया से नहीं हुई है। तीन ग्रामीणों की मृत्यु का कारण अलग-अलग है और एक ग्रामीण महिला की मृत्यु रायपुर डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में हुई है। कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देश पर बनी तीन सदस्यीय जांच टीम ने गुरूवार को कलेक्टर को अपनी जांच रिपोर्ट दी है। कलेक्टर श्री महोबे को सोनवाही के आश्रित पारा-टोला सरेंडा में तीन ग्रामीणों की मृत्यु की सूचना मिलने के बाद मृत्यु की वास्तविक कारणों की जांच के लिए कार्यपालन अभियंता पीएचई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बोडला, और मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी कवर्धा की तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई थी। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी है, जिसमें ग्रामीणों की मृत्यु का कारण अलग अलग बताया गया है।

जांच रिपोर्ट एवं ग्रामीणों की पूछताछ में बताया गया कि मृतक पनकिन बाई पति नन्हुआ सिंह 75 वर्ष सरेंडा निवासी पिछले कुछ वर्षों से लकवा रोक से ग्रसित थी, जिसके कारण वह चलने फिरने में असमर्थ थी। शारीरिक कमजेरी बढ़ने के कारण 14 जुलाई को दोपहर में उनकी घर पर ही मृत्यु हो गई। उन्हे किसी भी प्रकार से उल्टी-दस्त अथवा बुखार नहीं था। मृतक सोमबाई पति सुमेर सिंह बैगा का उम्र 70 वर्ष की थी। पिछले दो वर्षों से लकवा ग्रस्त थी। वह पिछले 20 दिनों से खाना भी नहीं खा रही थी। उसकी 17 जुलाई को दोपहर 3 बजे मृत्यु हो गई। उसे भी उल्टी-दस्त अथवा बुखार नहीं था। मृतक अनीता बैगा पिता महासिंह उम्र 29 वर्ष की थी। वह 6 माह की गर्भवती थी। उन्हें उल्टी-दस्त बुखार एवं रक्त स्त्राव की समस्या के साथ 14 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झलमला में भर्ती कराया गया। उसी दिन जिला अस्पताल कवर्धा में रिफर किया गया। जिला अस्पताल में उनका स्वास्थ्य सुधार नहीं होने के कारण उसे डॉ भींम राव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में भर्ती किया गया। उपचार के दौरान 17 जुलाई को उनकी मृत्यु हो गई। उनके मृत्यु का कारण डायरिया या उल्टी दस्त नहीं हैं। उनकी मृत्यु का कारण सेप्टीक शॉक विथ एक्यूट किडनी इन्ज्यूरि विथ सर्वेयर मेटाबूलिक एसिडोसिस एण्ड एक्यूट गैस्ट्रोएन्टेराइटिस विथ आईयूडी बताया गया है।

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जा रही- कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने बताया कि ग्राम सरेंडा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले 14 जुलाई से 17 जुलाई तक स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी महिला-पुरूष एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। यह परीक्षण आगे भी चलता रहेगा। स्वास्थ्य परीक्षण में ग्रामीणों को उनके स्वास्थ्य के आधार पर दवाई दी जा रही है। सरेंडा गांव और आसपास के सभी क्षेत्रों में बोडला एसडीएम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीएमओ द्वारा लगातार दौरा किया जा रहा है।

नपा कर्मचारियों ने 18 एवं 19 जुलाई को काली पट्टी बांधकर किया काम

नगरीय निकाय कर्मचारी कल्याण संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय नवनियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा नगरीय निकायों में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जा रहा है। कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बद्रीराम साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश नगरीय निकाय अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ से प्राप्त निर्देश के परिपालन एवं नगरीय निकाय की महासंघ बैठक 6 जुलाई 24 को बैठक हुई थी, जिसमें लिए गए निर्णय अनुसार छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय कर्मचारियों ने विभिन्न मांगो को लेकर प्रदेश स्तर पर अपना आंदोलन चरण बद्व शांतिपूर्ण तरीके से शुरू कर दिया है। ताकि कर्मचारियों के वेतन समस्या को शासन स्तर पर ध्यान आकर्षण कराया जा सके। कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा 18 एवं 19 जुलाई को संपूर्ण छत्तीसगढ़ के साथ-साथ नगर पालिका परिषद कवर्धा के कर्मचारियों द्वारा दो दिवसीय काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी तरह 22 जुलाई को एक दिवसीय कलमबंद हड़ताल एवं दिनांक 29 जुलाई को अनुमति प्राप्त होने पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से करने का निर्णय लिया गया हे।

मैनपुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

ग्रामीणों के समस्याओं एवं शिकायतों से सबंधित 249 आवेदन हुए प्राप्त, अधिकांश आवेदनों का किया गया निराकरण

गरियाबंद (समय दर्शन)। मैनपुर में आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में राजस्व, पंचायत, कृषि, क्रेडा, वन, स्वास्थ्य, पीएचई, महिला एवं बाल विकास, उद्योग ,शिक्षा, आदिवासी विकास, विद्युत, श्रम,समाज कल्याण एवं अन्य विभागों द्वारा आमजनों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए स्टॉल लगाए गए थे।शिविर में लोगों के समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित 249 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें से 242 मांग से संबंधित एवं सात आवेदन शिकायती प्राप्त हुए।शिविर में अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।लंबी प्रक्रियाओं वाले एवं उच्च कार्यालयों के मार्गदर्शन से संबंधित आवेदनों के निराकरण के बारे में आवेदकों को अवगत कराया गया। जिला अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी शिविर में मौजूद लोगों को भी दी।जिला स्तरीय शिविर में बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल हुए।शिविर में मौजूद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया।साथ ही हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया।विधायक एवं कलेक्टर ने किसानों को मत्स्य विभाग की ओर से मछली जाल एवं आईस बाक्स का वितरण किया।ग्राम उसरीजोर के किसान जदूराम को भेजीपदर व्यपवर्तन योजना के तहत भू-अर्जन की राशि के रूप में 10 लाख रूपये का चेक भी प्रदान किया गया।कार्यक्रम में विधायक एवं कलेक्टर ने 4 बच्चों को अन्नप्राशन करवाया,साथ ही गर्भवती महिलाओं को गोद भराई की रश्म के तहत पोषण आहार किट भी प्रदान किया।इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,जिला पंचायत के उपाध्यक्ष संजय नेताम,जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम,जनपद अध्यक्ष मैनपुर नूरमति मांझी, उपाध्यक्ष नंदकुमारी राजपूत, एसडीएम तुलसीदास मरकाम, जनपद सीईओ डीएस नागवंशी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी गण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनसमस्या निवारण शिविर में मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक जनक ध्रुव ने कहा कि ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर त्वरित निराकरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। सभी विभागों के स्टॉलों में लोगों के समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए गए।साथ ही उनका निराकरण भी किया जा रहा है।विधायक श्री ध्रुव ने सभी विभागों के अधिकारियों को तत्परता एवं गंभीरतापूर्वक ग्रामीणों के आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिये। शिविर में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक माह दो जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में सभी जिला अधिकारियों को उपस्थित होकर आमजनों की समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिये गये है।उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क जांच किया जा रहा है। कलेक्टर ने लोगों को निःशुल्क बीपी और शुगर सहित स्वास्थ्य संबंधी अन्य प्रकार की जांच कराकर स्वास्थ्य के बारे में जागरुक रहने एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क ईलाज प्राप्त करने का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरुरतमंदों को आवास की सुविधा से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके लिए शासन द्वारा राशि भी जारी की गई है। उन्होंने राशि प्राप्त हितग्राहियों से आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरु कर आवास योजना से लाभान्वित होने को कहा।

कलेक्टर, विधायक ने बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाकर शिशु संरक्षण माह का किया शुभारंभ - जिले में शिशु संरक्षण माह का आयोजन 19 जुलाई से 23 अगस्त 2024 तक किया जा रहा है। इस अभियान में 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को विटमिन-ए व 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को आरयन सिरप पिलाया जा रहा है। आज मैनपुर में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में विधायक श्री जनक ध्रुव व कलेक्टर दीपक अग्रवाल द्वारा 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटमिन-ए व 6 माह से 5 वर्ष के बच्चो को आयरन सिरप पिलाकर शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया।जिले में 9 माह से 5 वर्ष के 53 हजार 107 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक एवं 6 माह से 5 वर्ष के 58 हजार 691 बच्चों को आयरन सिरप, 1331 सत्र आयोजित कर सभी स्वास्थ्य केन्द्रों व आंगनबाड़ी में पिलाया जा रहा है।9 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों को विटामिन-ए छः माह के अंतराल में एवं 6 माह से 5 वर्ष बच्चों को आरयन सिरप सप्ताह में 2 बार सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पिलाया जा रहा है। साथ ही बच्चो का वजन कराना, एनिमियां जांच, प्रसव पश्चात स्तनपान एवं आहार की जानकारी, अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती व 0 से 5 वर्ष के बच्चो का नियमित टीकाकरण व गर्भवती महिलाओं के लिए आयरन की गोली दी जा रही है। विटामिन-ए सामान्य दृष्टि प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं जों आंख की कर्निया की रक्षा करने में मदद करता है। साथ ही हृदय, फेफड़े, गुर्दे और अन्य अंगों को ठीक से काम करने एवं रतौधीं रोग से छुटकारा और रोकथाम करने में मदद करता है।

काम, पढ़ाई, खेल या मनोरंजन के लिए, एयरटेल ग्राहक बिना किसी बाधा के ऐसे ले सकते हैं अनलिमिटेड 5जी डेटा का आनंद

नई दिल्ली: जो ग्राहक अनलिमिटेड 5जी लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उनके लिए एयरटेल ने नए बूस्टर पैक लॉन्च किए हैं। अब 1जीबी/दिन और 1.5जीबी/दिन प्लान वाले ग्राहक अनलिमिटेड 5जी प्लान में अपग्रेड कर सकते हैं। यह किफायती अपग्रेड मौजूदा डेटा पैक पर एक्टिवेट किए जा सकते हैं, जिससे ग्राहक अनलिमिटेड 5जी डेटा का आनंद ले सकते हैं। इन अपग्रेड प्लान्स के साथ ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा के अलावा 3जीबी, 6जीबी और 9जीबी अतिरिक्त डेटा भी मिलेगा, जो क्रमशः ?51, ?101 और ?151 में उनकी वर्तमान प्लान की वैधता के साथ उपलब्ध होगा।

नारी शक्ति से जल शक्ति आभियान के कार्यक्रम किया गया ग्राम पंचायत धवलपुर में

गरियाबंद। 18 जुलाई को कलेक्टर दीपक अग्रवाल व जिला पंचायत सीईओ रीता यादव के निर्देशन में व जनपद पंचायत गरियाबंद सीईओ अमजद जाफरी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजनांतर्गत गठित प्रगति संकुल संगठन धवलपुर में नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान अंतर्गत जल बचाने हेतू,दीवाल लेखन,जल शपथ,रैली का कार्यक्रम किया गया।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने सीएसआर पहलों के माध्यम से 31 मार्च, 2024 तक 10.19 करोड़ लोगों और 9000 से अधिक गांवों को प्रभावित किया

मुंबई, : भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने वर्ष 2023-24 के लिए एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों पर 945.31 करोड़ रुपये के व्यय की सूचना दी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 125 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाता है। अपने सीएसआर ब्रांड, परिवर्तन के तहत, एचडीएफसी बैंक की पहलों ने अब तक 10.19 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, जो 9,000 से अधिक गांवों और 10 लाख से अधिक परिवारों तक पहुँची है, जिसमें भारत सरकार के आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) में पहचाने गए 112 जिलों में से 85 में कवरेज शामिल है। हाशिए पर पड़े समुदायों, खास तौर पर महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका बनाने पर केंद्रित, परिवर्तन 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में काम करता है।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. /1-6/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुरनाम कौर पति स्व. कुंदन सिंह निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 1499/1 रकबा 6000 वर्गफीट भूमि आवेदक के पति कुंदन सिंह पिता साधु सिंह के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। खातेदार की मृत्यु होने से मृतक का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 05.08.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.07.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील
भिलाई नगर (छ.ग.)

// न्यायालयं अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग) //

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण क्रमांक ब-121
2023-2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिक श्रीमती अनिता वासनिक ध.प. स्व. सुनील वासनिक साकिन इंद्रावती नगर कोहका द्वारा अपने पति सुनील कुमार वासनिक संभागीय महालेखाकार के पद पर जल संसाधन संभाग कोटा बिलासपुर में कार्यरत थे, की सेवाकाल में ही मृत्यु हो जाने के कारण उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन कलेक्टर महोदय को प्रेषित किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है, जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः आवेदिका को उत्तराधिकारी प्रमाण पंत्र प्रदाय किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.7.2024 तक या उसके पूर्व स्वंय या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 15.7.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

मामला कमाक / /23-24

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा बंजारे साकिन पोटियाकला दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने इतवारी/ पदुम की मृत्यु दिनांक 05/9/1990 को हो चुकी है। उक्त संबंध में मृत्यु प्रमाण पत्र चाहा गया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना होतो दिनांक 24/07/24 तक सायं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है।

आज दिनाक 09/7/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय जिला पंचायत दुर्ग

//निविदा आमंत्रण //

क्रमांक/जि.पं.ज/एनआरएलएम/1379 दिनांक 19.07.2024

जनपद पंचायत दुर्ग परिसर में स्थित बिहान केन्टीन का वित्तीय वर्ष 2024-25 के संचालन हेतु दुर्ग जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत गठित इच्छुक स्व-सहायता समूहों/ ग्राम संगठनों/ कलस्टर लेवल फेडरेशन को बिहान केन्टिन में केटरर्स कार्य करने हेतु वर्ष 2024-25 के लिये निविदा दिनांक 05.08.2024 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19.07.2024 दोपहर 1:00 बजे से प्राप्त किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी संस्थान के कार्यालय से प्राप्त करें अथवा वेबसाईड (http/www.durg.gov.in) देखें।

संवाद- 40884/ 1

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत, दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

प्राथमिक शाला बंसूला मे नये प्रबंधकारिणी समिति का गठन

बसना (समय दर्शन)। प्राथमिक शाला बंसुला के पुराने प्रबंधकारिणी समिति का कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात नई समिति का गठन सरपंच प्रतिनिधि जन्मजय साव की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों का मनोनयन किया गया । समिति के अध्यक्ष के रूप में चमेली सागर को दोबारा मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष भारत साव, सचिव प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, कोषाध्यक्ष अनीता साहू, पंचायत प्रतिनिधि उमेश साव, शिक्षाविद नरेंद्र यादव, सदस्य गण अमर मोती सागर,उमा बंजारा, उच्चव साव, संजीरो मिर्धा, संतोषी मिर्धा, शांति भङ्ग,तथा कपूर चंद साव,प्रमिला, उजली निषाद , रमा पटेल ,उमा साव, विलासिनी साव, कपूरा बाई सभी पालक समिति के सदस्य बनाए गए। इस अवसर पर सभी चयनित पदाधिकारी एवं सदस्यों को संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना,प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा अनीता साहू ,सीता साहू एवं पुष्पांजलि बगरती मैडम ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

महासमुन्द सांसद रुपकुमारी चौधरी से कुंभकार समाज ने उनके बसना निवास मे किए मुलाकात

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र व महासमुंद जिला से कुंभकार समाज के प्रतिनिधिगण आज सांसद महोदया श्रीमती रूपकुमारी चौधरी से भेंट मुलाकात कर स्वागत किया गया। समाज द्वारा बागबाहरा में छात्रावास हेतु मांग पत्र दिया गया एवं बसना के गढ़फुलझर में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में समुदायिक भवन हेतु मांग पत्र दिए। महासमुंद जिला कुंभकार समाज से श्रीमती वृंदावती पांडे जिला पंचायत सदस्य, लक्ष्मी नारायण पांडे, बृजलाल राणा, बाबूलाल राणा, पवन चक्रधारी, चंद्रशेखर पांडे, विजयशंकर पांडे, जेठू राम चक्रधारी, ओमप्रकाश चक्रधारी, हितेंद्र पांडे, रामेश्वर चक्रधारी, मोरध्वज चक्रधारी, घनश्याम चक्रधारी, श्रीमती परमेश्वरी चक्रधारी, श्रीमती खुशबू चक्रधारी, लखन चक्रधारी, नेता राम । पांडे, कृष्णा राणा, डॉक्टर सोमनाथ पांडे, अखिलेश पांडे एवम् समाज प्रमुख उपस्थित रहे ।

शीघ्र भवन निर्माण व भर्ती हेतु विधानसभा अध्यक्ष से मिले

राजनांदगांव। ज्ञात हो कि शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय की समस्याओं को लेकर गत बुधवार 17 जुलाई, 2024 को विधानसभाध्यक्ष डा. रमन सिंह से विभागीय उप समिति के जिला संयोजक आनंद कुमार श्रीवास्तव ने मुलाकात की। वर्तमान में संचालित मुद्रणालय भवन को शासन के द्वारा विगत वर्षों पूर्व कंडम घोषित कराए जाने के उपरांत मुद्रणालय का नवीन भवन निर्माणाधीन है, जो कि समय-सीमा पर पूरा कराया जाना था, पर अपूर्ण है। कर्मचारी साथी जर्जर व जीर्ण-शीर्ण भवन में भय की स्थिति में कार्य करते हैं। इसके साथ ही विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती भी नहीं हो पाने की स्थिति में कार्य का दबाव भी बना होता है। उपरोक्त समस्याओं के दृष्टिगत ही शीघ्र ही भवन निर्माण व रिक्त पदों पर भर्ती हेतु निवेदन किया गया है, जिस पर माननीय व विधानसभा अध्यक्ष ने अतिशीघ्र ही निराकरण कराए जाने बाबत आश्वासन दिया। इस अवसर पर विभागीय उप समिति के संरक्षक हैरी जोसफ राकेश अहिरवार आदि कर्मचारी साथी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गुरनाम कौर के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया

दुर्ग। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने न्यू प्रेस क्लब भिलाई नगर की उपाध्यक्ष श्रीमती कोमल धनेसर की बेटी सुश्री गुरनाम कौर के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवारजनों को संबल प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

शिशु संरक्षण माह का विधायक गजेंद्र ने किया शुभारम्भ

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला चिकित्सालय दुर्ग में आज दुर्ग शहर के विधायक गजेन्द्र यादव ने शिशु को आईएफए एवं विटामिन ए का सिरप पिलाकर शिशु संरक्षण माह शुभारंभ किये, उन्होंने उपस्थित माताओ को शिशओ के उचित देखभाल करने प्रेरित किये साथ ही स्वयं के खान पान पर ध्यान देने तथा चिकित्सको के अनुसार समय समय पर शिशुओ को टिकाकरण कराने कहा ताकि जच्चा बच्चा स्वस्थ रहे। जिला स्तर पर कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. एच. के. साहू, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा जैन, हास्पिटल कंसल्टेंट, आरएमएनसीएच ए कंसल्टेंट एवं अन्य जिला स्तर के अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में चिकित्सको ने बताया की शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार नियमित टीकाकरण के साथ ही विटामिन 'ए' (09 माह से 05 वर्ष के बच्चों को प्रत्येक 6 माह में 1 बार) एवं आईएफए सिरप (06 माह से 05 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 2 बार) 1-1 एमएल लगातार 6 माह तक पिलाया जावेगा। बच्चों व गर्भवती माताओं का टीकाकरण, गर्भवती माताओं की जांच तथा उन्हें पोषण आहार की सलाह के साथ-साथ अति गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर एनआरसी रिफर किया जाएगा व मध्यम कुपोषित बच्चों हेतु माताओं को आहार की सलाह दी जावेगी। जिला टास्क फोर्स की बैठक में शिशु संरक्षण माह जुलाई-अगस्त 2024 को सफल बनाने हेतु दिये गये निर्देशानुसार जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा कार्ययोजना व ड्यू लिस्ट तैयार करवाते हुए जिला व ब्लॉक स्तर पर मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन को प्रशिक्षण में घर-घर भ्रमण करते हुए अधिक से अधिक बच्चों को इस अभियान में सम्मिलित करने हेतु मोबिलाईज कर लक्ष्य प्राप्त करने निर्देश दिए है।

निजी विद्यालयों को बिक्री केंद्र मे तब्दील न करें स्कूल संचालक - डॉ. सुरेश शुक्ला

रायपुर (समय दर्शन)। जिले मे निजी स्कूलों द्वारा शिक्षा सुविधा के नाम पर मनमाने तरीके शुल्क वसूली व् पुस्तक - कापी, यूनिफार्म तथा बच्चों के शिक्षा सामाग्री के नाम पर स्कूल से ही खरीदी किये जाने की शिकायत लगातार मिल रही है, शैक्षणिक संस्थानों को इस प्रकार के कृत्य से बचने की जरुरत है।

शैक्षणिक संस्थानों का मुख्य उद्देश्य शिक्षा का प्रसार और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए । परंतु हाल के वर्षों में कई शैक्षणिक संस्थानों पर आरोप लगे हैं कि वे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर पुस्तकें और यूनिफार्म उन्हीं से खरीदने का दबाव बनाते हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है जो कई पहलुओं से विचारणीय है । कई बार शैक्षणिक संस्थान विशेष बुक स्टोर्स या आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर विद्यार्थियों के लिए आवश्यक पुस्तकें और यूनिफार्म उन्हीं से खरीदने की शर्त रखते हैं इसका परिणाम यह होता है कि अभिभावकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ता है क्योंकि ये सामग्री बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर बेची जाती है । अभिभावकों और विद्यार्थियों के पास सीमित विकल्प होने के कारण उन्हें मजबूरी में महंगी सामग्री खरीदनी पड़ती है। यह न

केवल उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रभाव डालता है बल्कि यह शिक्षा के मूल उद्देश्य से भी भटकाव है ।

अधिकतर शैक्षणिक संस्थानो में गुणवत्ता और विविधता का अभाव है, कई बार संस्थान द्वारा निर्धारित सामग्री की गुणवत्ता भी मानकों पर खरी नहीं उतरती, वहीं दूसरी ओर, स्वतंत्र रूप से सामग्री खरीदने पर गुणवत्ता और विविधता के अधिक विकल्प उपलब्ध होते हैं । कई राज्यों और देशों में इस प्रकार के दबाव बनाने के खिलाफ कानून बने हुए हैं, भारत में भी कई राज्य सरकारों ने इस पर नियंत्रण रखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं यह जरूरी है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के अंतर्गत इस प्रकार की गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए ।

उपरोक्त विषय के प्रति ध्यानाकर्षण हेतु शिक्षा मंत्री से बैठक कर अभिभावकों और विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव बनाने वाले ऐसे शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हेतु सुझाव प्रेषित किया जायेगा ड्ड स्कुल प्रबंधन को पठन पाठन सामाग्री हेतु अभिभावकों को विभिन्न विकल्पों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे स्वतंत्र रूप से उचित और गुणवत्तापूर्ण सामग्री खरीद सकें, शैक्षणिक संस्थानों को पुस्तकें और यूनिफार्म खरीदने की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखनी चाहिए और किसी भी प्रकार के अनुचित लाभ से बचना चाहिए । अभिभावकों और शिक्षकों की सहकारी समितियों का गठन किया जा सकता है जो सस्ते दरों पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकें । अंतत:, शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान और मूल्य प्रदान करना है, न कि उन्हें आर्थिक शोषण का शिकार बनाना, शैक्षणिक संस्थानों को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को समझते हुए विद्यार्थियों और अभिभावकों के हित में कार्य करना चाहिए ।

पिथौरा मे भारत स्काउट × गाईड्स संघ के निर्वाचन के लिए नामांकन का दौर जारी

अभय धृतलहरे

बसना पिथौरा (समय दर्शन)। बसना विधानसभा के उर्वरा भूमि पिथौरा विकासखण्ड में भारत स्काउट×गाईड्स संघ के निर्वाचन के लिए नामांकन का दौर जारी हो गया है।

भारत स्काउट गाईड संघ के निर्वाचन हेतु अध्यक्ष पद पर सत्यनारायण अग्रवाल उपाध्यक्ष पद पर हरप्रसाद पटेल,आशीष शर्मा,योगेश्वर डड़सेना व महिला उपाध्यक्ष हेतु श्रीमती रजनी डड़सेना श्रीमती नीलम गोयल श्रीमती देवकुमारी चौधरी ने अपने पैनल के साथ नामांकन जमा किया। वहीं भारत स्काउट एवं गाइड पिथौरा ब्लाक के निर्वाचन अध्यक्ष पद हेतु छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष दबंग पत्रकार गौरव चंद्राकर ने छ ग जर्नलिस्ट्स वेल्फेयर युनियन के जिलाध्यक्ष बलराज नायडू की अगुवाई में अध्यक्ष पद हेतु नामांकन जमा किया है।

अध्यक्ष पद हेतु ही नगर के सेवाभावी बंटी छत्तीसगढ़िया ने भी भारत स्काउट × गाइड्स संघ पिथौरा के अध्यक्ष पद हेतु फ़र्म जमा किया है।

आगामी 31जुलाई को होने वाले भारत स्काउट ×गाईड्स की चुनाव के लिए जैसे जैसे समय नजदीक आ रहा है ,भारत स्काउट×गाईड्स के चुनाव को लेकर सबकी धडकनें तेज होने लगी हैं । पिथौरा मे अनेक संस्था संगठन के लोगों मे इस चुनाव को लेकर सक्रियता देखी जा रही है। सूत्रों से पता चल रहा है भारत स्काउट× गाईड की चुनाव मे इस बार घमासान देखने को मिलेगा । भारत स्काउट× गाईड के अध्यक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण पद को लेकर उस पर काबिज होने की होड़ , कईयों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनता हुआ दिखाई दे रहा है । अनेक सेवाभावी एवं संस्था संगठनों के प्रमुखों की सहसा इस ओर रूझान और भाग दौड ने सबको अचंभित कर दिया है,,लगता है भारत स्काउट × गाईड्स का पिथौरा मे होने वाला चुनाव महासमुन्द जिला का सबसे हाई प्रोफाइल चुनाव होगा । अभी तक जिला के अन्य ब्लाकों मे भारत स्काउट × गाईड्स की चुनाव को लेकर कोई सुगबुगाहट नहीं है, वहीं पिथौरा नगर मे सभी जगह चर्चा का विषय बना हुआ है ।

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा अवैध कब्जा हटाने के दिये निर्देश : राजस्व विभाग एक्शन मोड़ पर

- इंदिरा मार्केट के व्यवसायियों ने नाली के उपर अतिरिक्त निर्माण कर सीढ़ी, चबूतरा व सामान रखने के लिए बनाया रैम्प, चला बुलडोजर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग का अतिक्रमण हटाओ मुहिम जोर पकड़ा है। सुगम यातायात तथा व्यवस्थित पार्किंग के तहत नगर निगम का यह अभियान चल रहा है।नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण व अवैध निर्माण करने वालों पर शिकंजा कसने निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, ताकि ऐसे अनाधिकृत कार्य करने वालों पर लगाम लगायी जा सके।निर्देश के बाद सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोईर के नेतृत्व में राजस्व विभाग अमला द्वारा चंडी चौक के आसपास फ्ल,सब्जी सहित ठेले खोमचे आदि दुकानों पर कार्रवाही की गई।साथ ही शराब भट्टी से 500 रुपये फाइन किया गया।तालाब में अवैध अतिक्रमण को हटवाने की बात कही।इसी प्रकार प्रतिबंधित झिल्ली पन्नी के लिए 1000 रुपये का जुर्माना किया गया।इसके अलावा जिला अस्पताल के सामने तथा गौरव पथ किनारे लगे ठेले खोमचे हटाने की कार्रवाई की गई।उसके बाद शाम को इंदिरा मार्केट क्षेत्र पहुचकर बाजार क्षेत्र स्थित अग्रवाल मिष्ठान भंडार के सामने की नाली को बन्द कर कई दुकानदारों द्वारा किए गए दुकान के विस्तार हटाने कहा गया और दुकान की सीमा क्षेत्र में ही दुकान लगाने की बात कही। इस बीच नाली खुलवाने निगम की जेसीबी का भी इस्तेमाल किया गया। दुकानदारों को कहा गया है कि नाली को कब्जा से मुक्त करें नही तो नगर निगम द्वारा बड़ी कार्रवाई की जाएगी,जिसके लिए दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होंगे.नगर निगम द्वारा अतिक्रमण करने वालों पर शिकंजा कसते हुए उनके विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है.निगम क्षेत्र में नगर निगम के राजस्व विभाग की टीम ने सड़क किनारे नाली पर अतिरिक्त निर्माण और बांस, बल्ली व टीन से अस्थाई रूप से कब्जा कर व्यवसाय करने की शिकायत पर अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए तोड़फोड़ की।अतिक्रमण व अवैध निर्माण करने वालों पर शिकंजा कसने निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं, ताकि ऐसे अनाधिकृत कार्य करने वालों पर लगाम लगायी जा सके.सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने बताया कि बाजार क्षेत्र,हॉस्पिटल क्षेत्र मरचुरी मार्ग पर सड़क के किनारे अतिक्रमण की शिकायत मिली थी.इस पर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की.भीड़ वाले इलाके में अवैध कब्जे से ट्रैफिक जाम होता था इसलिए कार्रवाही किया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि बाजार क्षेत्र व्यवसायिक क्षेत्र होने से वहां पर भारी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती रहती है. हमेशा भीड़ भाड़ वाले इस मार्ग पर बड़े-छोटे सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही दिनभर होती रहती है. इस कारण ट्रैफिक का दबाव रहता है.क्षेत्र में कई व्यवसायिक प्रतिष्ठानों ने भी अतिक्रमण कर लिया था. इस कारण वहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती थी.इंदिरा मार्केट के व्यवसायियों के द्वारा नाली के ऊपर अतिरिक्त निर्माण कर आने-जाने के लिए सीढ़ी, चबूतरा व सामान रखने के लिए रैम्प बनाया लिया था. दुकानों के सामने बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग होने से भी आवागन बाधित होता था. इस दौरान अवैध कब्जे व अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

पाटन में मनाई स्व खूबचंद बघेल को जयंती

पाटन (समय दर्शन)। स्व.खूबचंद बघेल के जयंती पर नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप के नेतुत्व में स्व.खूबचंद बघेल के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। स्व.खूबचंद बघेल के सामाजिक उत्थान में किए गए कार्यों को आज के युवाओं को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भूपेंद्र कश्यप(अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन),पुरुषोत्तम कश्यप,विजय पांडे,सुनील सोनी,विनय पटेल,नीरज सोनी,कमल किशोर वर्मा,राज देवांगन,सरजू साहू,कुणाल भाले,युवराज साहू, शुभम् भाले,सुशील चक्रधारी,मनीष देवांगन,दिनेश शर्मा,मनोज वर्मा, लीलेश वर्मा, सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

अतत: टोल फ्री को लेकर प्रशासन एवं टोल प्रबंधन ने आंदोलनकारियों से 2 दिन का समय मांगा

बसना (समय दर्शन)। बसना सरायपाली पिथौरा के वाहन मालिकों एवं स्थानीय लोगों की टोल फ्री करने की जायज मांग और अनशन से प्रशासन का नजरिया हुआ नरम, मांगा दो दिन का समय। महासमुंद जिला अंतर्गत के वाहन मालिकों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम लोगों ने लगातार अपनी जायज मांग को लेकर अनशन पर बैठे थे। आवेदन निवेदन से बात नही बनने पश्चात सैकड़ो लोगों ने छुईपाली बसना टोल प्लाजा के पास चक्का जाम कर अपनी जायज मांग को लेकर आवाज बुलंद की ।

बता दे कि, 11 जुलाई से अनशन पर बैठे अनशन कारियों के लिए टोल प्लाजा प्रशासन की तरफ से एक सकारात्मक पहल निकलकर आई कि,इस मुद्दे पर उच्चाधिकारियों से चर्चा कर निष्कर्ष निकालने हेतु दो दिन की समय चाही गयी।

जात हो कि,आंदोलनकारी प्रमुख संजय चौधरी द्वारा 15 जुलाई से आमरण अनशन भूख हड़ताल करने के

बाद भी टोल प्रबंधन की तरफ से कोई आश्वासन नहीं मिलने के कारण सैकड़ों लोगों को अपनी जायज मांग को रूकर चक्काजाम करना पड़ा ।

आंदोलनकरियो के समस्या पर विचार करने आश्वाशन मिलने के बाद आंदोलनकारी चक्का जाम से उठे , वहीं अनशन पर बैठे लोगों ने कहा की 2 दिन का समय प्रसाशन ने मांगा है। लेकिन मांग जब तक पूरी नहीं हो जाती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

बसना सरायपाली पिथौरा के स्थानीय महासमुंद जिले के अंतर्गत 2 टोल गेट आते हैं । पहला टोल गेट झलप के पास और दूसरा टोल गेट सिंघनपुर के पास हैं, जिलेवासियो की मांग हैं की स्थानीय गाड़ियों का टोल माफहो, याने कि, महासमुंद जिले की छग 06 की गाड़ियों का टोल फ्री हो।

अनशनकारियो ने जिला के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया- उन्होंने बताया कि जब एनएच 53 पर ही दुर्ग में टोल प्लाजा में उक्त जिले के वाहनों को व बरगढ़ (ओडी 17) ओड़िशा में बरगढ़ जिले के निवासियों को टोल टैक्स से छूट दी जा रही है तो महासमुंद जिले के वाहन मालिकों के साथ इस तरह से भेदभाव करना सर्वथा अनुचित है। यही कारण है कि इस जिले के भी वाहन मालिकों द्वारा टोल टैक्स में छूट के लिए आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने किसी ठोस निर्णय के ना होते तक आंदोलन जारी रहने की बात कही है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26